भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

18 दिसम्बर - 24 दिसम्बर 2024

jagrukjanta.net

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - तृतीया, संवत 2081 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-42, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

समाज और जीवन में शांति के लिए संस्कार होना बहुत जरूरी है! (2)

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

ऐसे में अपने-आपको ही समझना होगा। वरना ये छेड़छाड़, बलात्कार आदि के मामलों में रोक लगना असंभव सा नजर आता है। इस बात को समझिए कि अपनी इच्छा केवल घर में चल सकती है। घर के बाहर नहीं। मनुष्य जैसे ही घर के बाहर कदम रखता है तो उसे सार्वजनिक जीवन की मर्यादा को निभाना ही पड़ेगा। चाहे वह लड़का हो या लड़की। जिस तरह हम आज घूंघट और बुर्के को गलत बताते हैं। उतना ही अर्द्ध नग्नता के वस्त्र धारण करना भी गलत है। बड़ी उम्र के लड़के और लड़कियों को देखो। कैसे फटे-फटे पेंट पहने घूमते हैं। बड़ी उम्र की लड़कियों का बच्चों की सी फटी पेंट, निक्कर जिसमें घुटने के ऊपर फैशन के नाम पर नग्नता प्रदर्शित करना मात्र है, ऊपर से छोटी सी टॉप पहन कर घूमना भारतीय संस्कृति का अंग नहीं हो सकता। जीवन एक गिटार की तरह है, अगर तार को ज्यादा कसेंगे तो टूट जाएगा, और ज्यादा ढीला छोड़ देंगे तो बजेगा ही नहीं। दोनों स्थितियों में वह गलत होगा। इसलिए स्त्री और पुरुष दोनों में संस्कार होना जरूरी है। अगर नग्नता को आधुनिकता या मॉडर्न होने की निशानी मान लिया जाए तो सबसे ज्यादा मॉडर्न तो जानवर हैं जिनके संस्कृति में कपड़े ही नहीं है। अतः जानवर की तरह नहीं रहें, सभ्यता और संस्कृति को स्वीकार करें। अन्य जानवरों को तो छोड़िए कुत्ते की बात करें तो कुत्ते को तो अधिकार है उसका कोई कर्तव्य नहीं है। वह किसी कर्तव्य से बंधा हुआ नहीं है। वह कहीं भी यूरिन पास कर सकता है। मगर सभ्य इंसान को यह अधिकार नहीं है। उसे तो कहीं सुनसान स्थान या बंद टॉयलट का ही उपयोग करना पड़ेगा। इसी तरह पशुओं को नग्न घूमने का अधिकार है, मगर सभ्य स्त्री या पुरुष को ये अधिकार नहीं है। उसे तो सभ्य वस्त्र पहनकर ही सार्वजनिक जीवन में रहना होता है। आजकल भारतीय पहनावे में मुख्य स्थान रखने वाली साड़ी से भी दूरी होती जा रही है। जबकि साड़ी पहनने से शालीनता झलकती है। मगर आजकल आरामदायक पहनावे के नाम पर सलवार कुर्ता पहनने का शौक चढ़ गया है। जबकि साड़ी पहनने से भी पूरे अंग ढंके जाते हैं। सर से लेकर पांव तक कहीं भी अंग प्रदर्शित नहीं होते। बशर्ते उसे ढंग से पहना जाए। बल्कि साड़ी में तो आराम ये है कि अगर गर्मी भी लग रही होती है पीठ से पल्लू सरकाया जा सकता है जबकि सलवार कुर्ते में ऐसा नहीं होता। उसमें तो अगर गर्मी लग रही है तो गर्मी लगेगी ही। इसलिए ह्रास होती हमारी संस्कृति को बचाना है। अगर हमारी संस्कृति बची तो मानवता बचेगी वरना तो पशुवत व्यवहार से पशुता ही आएगी। जो हमें अशांत जीवन की ओर ले जाएगी। (समाप्त)

shivdayalmishra@gmail.com

राजस्थान के विकास में केन्द्र कोई कसर नहीं छोड़ेगी-मोदी

भजनलाल सरकार का एक वर्ष पूरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार को सुशासन का प्रतीक बताते हुए भरोसा दिया है कि जब राजस्थान विकसित होगा तब भारत भी विकसित होगा और आने वाले वर्षों में और तेज गति से विकास होगा तथा केन्द्र सरका राजस्थान के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

मोदी मंगलवार को यहां दादिया गांव में भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान की जनता को भाजपा सरकार को एक साल पूरे करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आज इतनी बड़ी तादाद में लोग आर्शीवाद देने आये हैं यह मेरा सौभाग्य हैं।

उन्होंने कहा कि बिते एक वर्ष में राजस्थान के विकास को नई गति एवं नई दिशा देने में भजनलाल सरकार एवं उनकी टीम ने बहुत परिश्रम किया हैं। यह पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों की मजबूत नींव बना हैं इसलिए आज यह उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं हैं, यह राजस्थान विकास का भी उत्सव है। उन्होंने कहा "मैं कुछ दिन पहले ही यहां निवेश सम्मेलन में आया था जहां देश और दुनिया भर के बड़े-बड़े निवेशक यहां जुटे थे और आज 45 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है जो राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा और रोजगार के अनगिनत अवसर मिलेंगे। राजस्थान के पर्यटन, किसानों एवं नौजवानों को इससे बहुत फायदा होगा।"

मोदी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें है और भाजपा जो भी संकल्प लेती हैं उस पर ईमादारी से प्रयास करती है तथा देश के लोग कह रहे है कि भाजपा सुशासन की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना जनसमर्थन मिल रहा है कि देश ने लोकसभा में भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है जो पिछले साठ सालों में हिन्दुस्तान में ऐसा नहीं हुआ। भारत की जनता ने तीसरी बार केन्द्र में भाजपा सरकार बनाई हैं और मध्यप्रदेश में लगातार दूसरी बार और हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी हैं और पहले से ज्यादा बहुमत दिया गया हैं।

'एक देश, एक चुनाव' बिल लोस में पेश

विरोध में विपक्ष, गृह मंत्री शाह ने कहा- JPC में भेजा जाए विधेयक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को 'एक देश, एक चुनाव' संवैधानिक संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश कर दिया। यह संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 है। कांग्रेस समेत अधिकांश विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध करते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधेयक को जेपीसी में भेजने की पैरवी की है। कानून मंत्री ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ कराने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को पुनःस्थापित करने के लिए संसद के निचले सदन (लोकसभा) में रखा।

JPC में भेजा जाए विधेयक-शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (JPC) में भेजे जाने की पैरवी करते हुए कहा कि जब मंत्रिमंडल में चर्चा के लिए विधेयक आया था, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मंशा जताई थी कि इसे जेपीसी के विचार के लिए भेजा जाना चाहिए। जनता दल (यूनाईटेड) ने 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक को देश हित में करार दिया और कहा कि लोकसभा में इसे पेश किए जाने के दौरान कांग्रेस का रवैया बेहद 'दुर्भाग्यपूर्ण' रहा। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी पहले से ही इस विधेयक के समर्थन में रही है। उन्होंने कहा, "इस फैसले से लोकतंत्र में मजबूती आएगी एवं सरकार की योजनाओं और नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी। साथ ही बार-बार चुनाव में होने वाली फिजूल खर्ची पर भी रोक लगेगी।" बता दें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की अवधारणा को प्रभावी बनाने के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक को बीते 12 दिसंबर को मंजूरी दे दी थी। संसद का वर्तमान शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को समाप्त होगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

बांग्लादेश के माहौल पर पीएम मोदी कार्रवाई करें-गहलोत

» जागरूक जनता @ जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में बढ़ते भारत विरोधी माहौल और हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की अपील की। गहलोत ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में विजय दिवस पर भारत विरोधी नारेबाजी और वहां के हालात पर अपनी चिंता व्यक्त की। गहलोत ने कहा, विजय दिवस के मौके पर बांग्लादेश में भारत विरोधी नारे लगाए गए। यह बहुत ही चिंताजनक है, क्योंकि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के मजबूत नेतृत्व में भारत ने बांग्लादेश को आजादी दिलवाई थी और दोनों देशों के बीच हमेशा अच्छे रिश्ते रहे हैं।

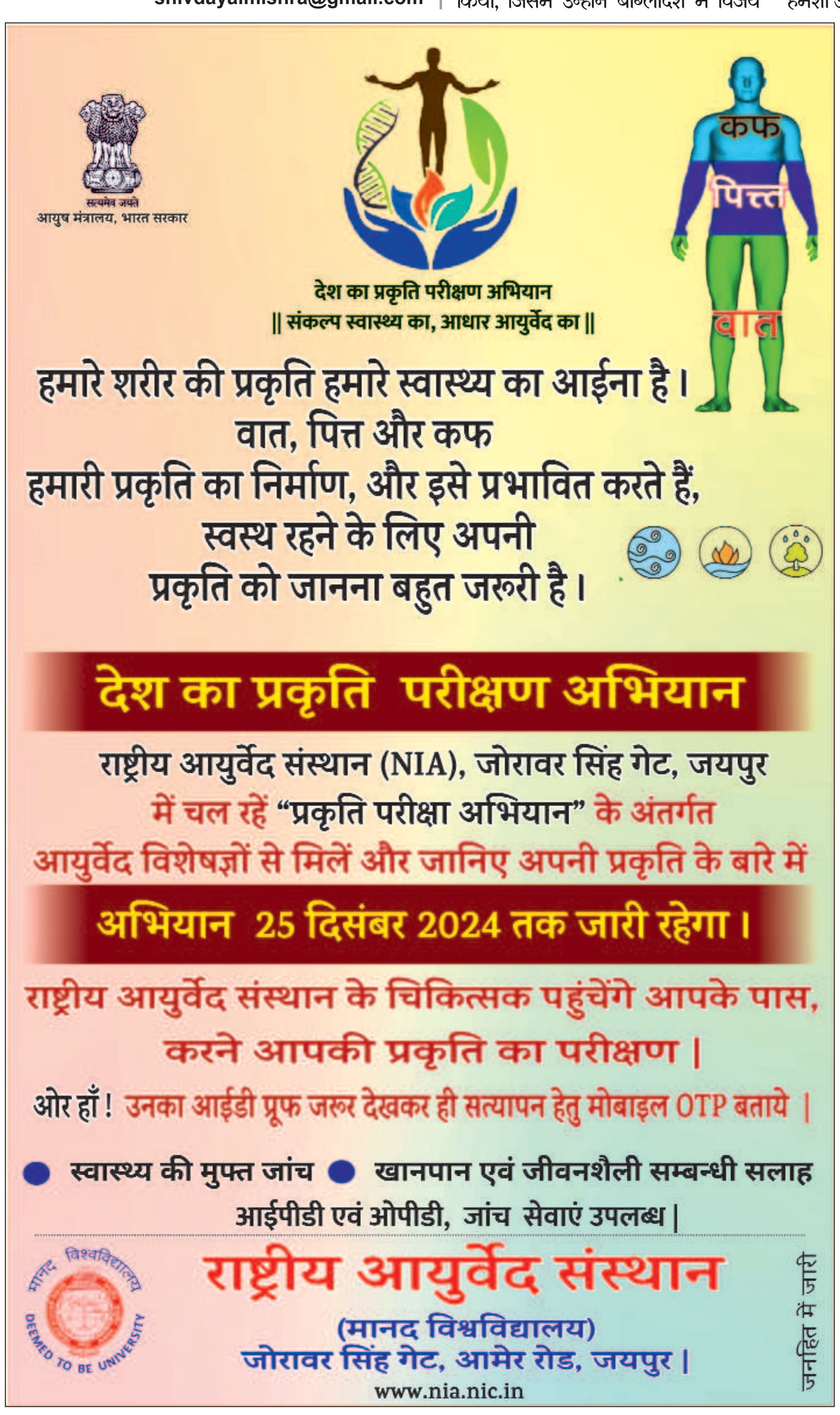

आज से सर्दी दिखाएगी असली रूप, IMD ने जारी की चेतावनी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में सर्दी का थर्ड डिग्री टॉर्चर जारी है। रात के पारे में लगातार गिरावट से बाहरी इलाकों में बर्फ जमने लगी है। खेत, खलिहान और कई फसलों पर मंगलवार सुबह बर्फ की चादर नजर आई। दिनभर धूप खिली, लेकिन गलन के आगे बेअसर साबित हुई। पिछले 24 घंटे में राजस्थान में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर और पाली में 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस करौली में दर्ज किया गया।

सर्दी के तेवर तेज होने की वजह से मौसम विभाग ने राजस्थान के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 18 दिसंबर को प्रदेश के 8 जिलों अलवर, दौसा, झुंझुनूं, करौली, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ और नागौर के लिए शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। 19 दिसंबर के लिए भी चेतावनी जारी की गई है। अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, चूरू और हनुमानगढ़ के लिए अलर्ट जारी किया गया है। 20 दिसंबर को अलवर, भरतपुर, बारां, बूंदी, दौसा, चूरू, धौलपुर, झुंझुनूं, कोटा, सवाई माधोपुर, करौली, नागौर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के लिए चेतावनी जारी की गई है। 21 दिसंबर को अलवर, बारां, भरतपुर, झालावाड़, बूंदी, दौसा, कोटा, धौलपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाईमाधोपुर, नागौर हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में शीतलहर का अलर्ट जारी हुआ है।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

■ अनुजा निगम के ऋण हेतु 31 दिसंबर तक किये जा सकेंगे आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय वित्त एवं विकास निगमों के सौजन्य से रि यान्वित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी वर्ग, अन्य पिछड़ा एवं दिव्यांगजनों को विभिन्न उद्योगों, व्यवसाय एवं सेवा कार्य में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु आनलाइन आवेदन अब 31 दिसंबर, 2024 तक किये जा सकेंगे। अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक दीनानाथ बबल ने बताया कि पात्र आवेदकों की सुविधा के लिए निगम द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2024 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2024 करने का निर्णय लिया गया है। जिसके बाद अब इच्छुक आवेदक एसएसओ आईडी के माध्यम से अनुजा पोर्टल पर ऋण हेतु 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की विस्तृत जानकारी हेतु स्थानीय पंचायत समिति, नगर पालिका कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा ने वसूला 5 हजार का कैरिंग चार्ज

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार एसएमएस अस्पताल, जेके लोन अस्पताल, बांगड़ अस्पताल, नारायण सिंह सर्किल, गणेशजी मन्दिर, रामनिवास बाग, डब्ल्यूटीपी, पत्रिका गेट, सांगानेर एयरपेर्ट, टोंक रोड़ गोपालपुरा पुलिया के नीचे से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 5 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 01 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एसएमएस अस्पताल, जेके लोन अस्पताल, बांगड़ अस्पताल, नारायण सिंह सर्किल, गणेशजी मन्दिर, रामनिवास बाग, डब्ल्यूटीपी, पत्रिका गेट, सांगानेर एयरपेर्ट, टोंक रोड़ गोपालपुरा पुलिया के नीचे से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 01 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश सभी तहसीलों में जारी है रास्ता खोलो अभियान अभियान

एक महीने में 211 राहें हुईं आसान

बरसों पुराने रास्ते खुलवाए जाने पर ग्रामीणों ने जताया जिला प्रशासन का आभार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शुरू हुआ रास्ता खोलो अभियान ग्रामीणों के लिए राहत का दूसरा नाम बन गया है। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े 211 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमती सुमन पंवार ने बताया कि अभियान के तहत जोबनेर तहसील में सर्वाधिक 17 रास्ते तो वहीं, चौमूं तहसील में 16 रास्ते खुलवाए गए। आमेर, आंधी, शाहपुरा, किशनगढ़-रेनवाल, फुलेरा तहसील में 15-15 रास्ते तो वहीं, सांगानेर, माधोराजपुरा तहसील में 14-14 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि चाकसू तहसील में 11 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 10 रास्ते, बस्सी, रामपुरा-डाबड़ी, जालसू एवं कोटखावदा तहसील में 9-9 रास्ते, कालवाड़ एवं तुंगा तहसील में 7-7 रास्ते तो वहीं, जयपुर तहसील में 4 रास्ते खुलवाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

विभिन्न राज्यों से पधारे महापौर ने जयपुर शहर की खूबसूरती को निहारा और कहा वाह जयपुर

जयपुर में हुआ मेयर समागम

उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, चण्डीगढ़ से पधारे महापौर राजस्थानी परम्परा से हुये स्वागत से हुये अभिभूत

हेरिटेज वॉक के अन्तर्गत हवामहल, जंतर मंतर, सिटी पैलेस, आमेर के किये दीदार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर समारोह-2024 के अन्तर्गत 18 नवम्बर से हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत मंगलवार का दिन ऐतिहासिक एवं यादगार रहा। देशभर से करीब 30 से भी अधिक महापौर ने जयपुर की खूबसूरती को निहारा और कहा वाह जयपुर।

हेरिटेज वॉक के अन्तर्गत मंगलवार को उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, चण्डीगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आये हुये 30 से भी अधिक महापौर ने अल्बर्ट हॉल, हवामहल, जंतर मंतर, सिटी पैलेस, गोविन्द देवजी मन्दिर, जलमहल की पाल, जयपुर सिटी बाजार का भ्रमण किया। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि हेरिटेज वॉक के तहत विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक परम्पराओं का आदान-प्रदान भी हुआ है। सभी महापौर को राजस्थान की सभ्यता, संस्कृति, विरासत, सांस्कृतिक परम्पराओं से रूबरू करवाया गया साथ ही सांस्कृतिक संध्या के अन्तर्गत कालबेलिया, चरी नृत्य, भवई, घूमर आदि की भी प्रस्तुति दी गई। सर्वप्रथम नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के साथ सभी महापौर ने आराध्य देव गोविन्द देव जी के दर्शन किये। इसके बाद हवामहल की खूबसूरती को निहारा हवामहल बाजार व्यापार मण्डल द्वारा अतिथि महापौर का स्वागत सत्कार किया गया सभी महापौर ने उत्साह के साथ जलेबियां भी बनाई। इसके बाद सिटी पैलेस का भ्रमण किया। सिटी पैलेस के भ्रमण के बाद जंतर मंतर पहुंचे। जहां सभी महापौर ने सम्राट यंत्र के साथ सेल्फी ली इसके बाद लघु सम्राट यंत्र, दिशा यंत्र, लघुक्रांति यंत्र, रामयंत्र, ध्रुवयंत्र, दिगंश यंत्र इत्यादि के बारे में गाईड द्वारा विस्तृत रूप से समझाया गया।

सरकार के एक साल का कार्यकाल पूर्ण होने पर महिला सम्मेलन का हुआ आयोजन

महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो राज्य, देश भी आत्मनिर्भर होंगे-चौपड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले स्तरीय महिला सम्मेलन कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर आयोजित किया गया। जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई समारोह में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत महिलाओं को लाभांवित किया गया। सम्मेलन में मेधावी छात्राओं को स्कूटी का वितरण किया गया वहीं, महिलाओं को सोलर इंडक्शन का भी वितरण किया गया। समारोह में राजीविका महिला स्वयं सहायता समुहों की सदस्यों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

जिला प्रमुख रमादेवी चोपड़ा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार ने महिलाओं की बेहतरी के लिए कई फैसले लिये हैं ताकि आधी आबादी प्रदेश के विकास में पूरी भागीदारी निभा सके। महिलाएं प्रदेश की विकास यात्रा में अपना योगदान दे सके इसी दिशा में केन्द्र व राज्य की डबल इंजन की सरकार द्वारा महिला वर्ग को केन्द्र बिन्दु मानते हुए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी, नमो ड्रोन दीदी के साथ ही राज्य सरकार की लाडो प्रोत्साहन योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं आत्मनिर्भर बनती है तो राज्य और देश भी आत्मनिर्भर बनता है। राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की रोकथाम एवं बच्चियों व महिलाओं को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए हमने राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन का निर्णय लिया है। प्रथम चरण में 250 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के संचालन के लिए हमने स्वीकृति जारी कर एक हजार कांस्टेबल के पद स्वीकृत कर दिए हैं। महिलाओं को आपात स्थिति में 24 घंटे पुलिस सहायता प्रदान करने के लिए आज हमने एक ऐप तथा आरएसआरटीसी के सुरक्षा कमांड सेंटर व पैनिक बटन परियोजना का शुभारंभ किया है। आयोजन में जिला कललक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गुप्त वृंदावन धाम में हेरिटेज फेस्ट आयोजित, 300 विजेता सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बच्चों को वैदिक परंपराओं, संस्कृति और श्रील प्रभुपाद जी की शिक्षाओं से जोड़ने के उद्देश्य से गुप्त वृंदावन धाम में हेरिटेज फेस्ट 2024 का आयोजन हुआ। इस फेस्ट का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 300 विजेता बच्चों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हेरिटेज फेस्ट 2024 का यह 16वाँ संस्करण था, जिसमें 3000 से अधिक बच्चों ने 16 विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी अद्भुत कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में पेंटिंग, हैंडराइटिंग, श्री राधा-कृष्ण श्रृंगार, और निबंध लेखन जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। मुख्य अतिथि पूजा अग्रवाल, उपाध्यक्ष, आर्य ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में आगामी गीता कॉन्टेस्ट और इंटरनेशनल गीता ओलंपियाड की भी घोषणा की गई। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन गुप्त वृंदावन धाम द्वारा अगले महीने किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएँ देश और विदेश के प्रतिभागियों के लिए खुली होंगी और पूरी तरह से भगवद गीता पर आधारित होंगी। गुप्त वृंदावन धाम के उपाध्यक्ष अनंत शेष दास जी ने कहा, "गीता प्रतियोगिताएँ केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ये बच्चों और युवाओं को जीवन जीने की कला और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाती हैं।"

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा देश का प्रकृति परीक्षण अभियान आयोजित

आमजन के साथ युवाओं का बड़ी संख्या में किया गया प्रकृति परीक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा देश का प्रकृति परीक्षण अभियान में आमजन का बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा देश का प्रकृति प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत आम जन के साथ युवाओं का बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया। अभियान के अंतर्गत चिकित्सकों द्वारा राज्य सरकार के विभागों एवं पुलिस विभागों में अधिकारियों के साथ शैक्षणिक संस्थानों में बड़ी संख्या में युवाओं का प्रकृति परीक्षण किया गया। जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान कॉलेज एवं अन्य सरकारी एवं निजी संस्थानों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का प्रकृति परीक्षण किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने युवाओं को प्रकृति परीक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए बताया हमारे अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर की प्रकृति को जानना हम सभी के लिये बहुत जरूरी है। 25 दिसंबर तक अभियान के अंतर्गत सरकारी एवं निजी कार्यालय, संस्थानों में राष्टीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा उनका प्रगति परीक्षण करने के साथ उनके स्वास्थ्य से संबंधित सलाह भी दी जा रही है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा सरकारी एवं निजी महाविद्यालय में प्रकृति परीक्षण आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा देश का प्रकृति परीक्षण अभियान में आमजन का बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा 17 दिसंबर को देश का प्रकृति प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत दीपशिखा कॉलेज ग्रुप रीजनल टेक्निकल कॉलेज सीतापुरा, वेदांत महाविद्यालय के साथ विभिन्न सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से डॉ राकेश नागर, डॉ. रितेश रामनानी, डॉ. सुभाष यादव, डॉ. प्रियका एवं चिकित्सकों की टीम द्वारा कॉलेज स्टॉफ, छात्रों और स्थानीय नागरिकों का प्रकृति परीक्षण (हैल्थ चेक अप) व दवा वितरण का कार्य किया। संस्था के सचिव एवं निदेशक ने विद्यार्थियों के प्रकृति परीक्षण के लिए राष्टीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया।

ग्रह-नक्षत्र परिवर्तन

सूर्य ने किया धनु राशि में प्रवेश, कथा-कीर्तन और पौष बड़ा महोत्सव की धूम रहेग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ सोमवार से पौष कृष्ण एकम् खरमास शुरू हो गया। अब 15 जनवरी मकर संक्रांति तक कथा- प्रवचन, हवन, नित्य पूजन को छोड़कर मांगलिक कार्य नहीं होंगे। खरमास में श्रद्धालु सूर्य की उपासना में लीन रहेंगे। माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा नए साल में 14 जनवरी 2025 को सुबह करीब नौ बजे तक धनु संक्रांति काल रहेगा। इस काल को मलमास या खरमास कहते हैं। इस अवधि में मांगलिक कार्य करने की मनाही है। मलमास के दौरान मांगलिक कार्य जैसे शादी-विवाह, उपनयन संस्कार, गृह निर्माण, गृह प्रवेश, वास्तु-मुहूर्त, वाहन क्रय, दस्तूर, मुंडन संस्कार समेत शुभ कार्यों पर रोक रहेगी। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि 14 जनवरी 2025 को सुबह 8.56 बजे रवि दक्षिणायन से उत्तरायण होते ही अर्थात सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते ही मांगलिक कार्य शुरू होंगे। अब 16 जनवरी से विवाह मुहूर्त शुरू होंगे, जो जून माह तक चलेंगे। 22, 27, 29, 30 दिसंबर, 5, 7 और 11 जनवरी को सर्वार्थसिद्धि, 7 और 11 जनवरी को अमृत सिद्धि, 17 और 18 दिसंबर त्रिपुष्कर योग, 17, 22 दिसंबर और 5 जनवरी को विशेष योग रहेगा। आवश्यक होने पर इन योगों में आवश्यक वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। पूजा घर में रखने के बाद इनका उपयोग करना शुभ रहेगा।

इसलिए नहीं होते हैं मांगलिक कार्य

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि धनु एवं मीन राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं। जब सूर्य अपने गुरु के घर धनु राशि और मीन राशि में प्रवेश करते हैं तो सूर्य देवगुरु बृहस्पति की सेवा में व्यस्त हो जाते हैं। इससे मांगलिक कार्यों में देवगुरु बृहस्पति एवं सूर्य देव की उपस्थिति नहीं रहती है। नौ ग्रहों में से बृहस्पति एवं सूर्य दो प्रमुख ग्रह हैं, इसलिए मांगलिक कार्यों में देवगुरु बृहस्पति एवं सूर्यदेव की उपस्थिति नहीं रहने से शास्त्रोंने मांगलिक कार्य करने की अनुमति नहीं दी है, क्योंकि उनके बिना मांगलिक कार्य अपूर्ण रहता है।

सरकार-जनता में बनेगा सामंजस

इस बार सूर्यदेव का धनु राशि में बाघ पर सवार होकर प्रवेश हुआ है। उनका उप वाहन अश्व है। संक्रांति नक्षत्र घोरा नाम का है। इसके परिणाम स्वरूप सरकार और जनसामान्य के बीच कई लंबित मामले सुलझाने में सामंजस्य की स्थिति बनेगी। उल्लेखनीय है कि सूर्य का प्रत्येक 12 राशियों में एक मास विचरण काल रहता है, इसे संक्रांति कहते हैं अर्थात कु ल 12 संक्रांति यां होती हैं। जिसमें दो संक्रांति क्रमशः धनु और मीन संक्रांति होती है। सूर्यदेव धनु राशि में होते हैं तो धनु संक्रांति और सूर्यदेव मीन राशि में होते हैं तो मीन संक्रांति । ये दोनों संक्रांति काल को मलमास या खरमास कहते हैं। इन दोनों संक्रांति काल में मांगलिक कार्य की मनाही है।

प्रदेश की भजनलाल सरकार का एक साल पूरा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर में जनसभा आयोजित

भैरो सिंह जी की तो उंगली पकड़कर बड़े हुए हैं- मोदी

भैरों सिंह शेखावत ने राजस्थान में विकास के सशक्त नींव रखी। उसके बाद वसुंधरा राजे ने कमाल संभाली और सुशासन की विरासत को आगे बढ़ाया। अब भजनलाल की सरकार सुशासन की धरोहर को और मजबूत करने में जुटी हुई है।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की भजनलाल सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर में वाटिका रोड पर बड़ी जनसभा आयोजित हुई। भजनलाल सरकार के 'एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष' प्रोग्राम में पीएम मोदी का जोरशोर से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मंच पर सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शंख और श्रीनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने राजस्थान को कई बड़ी सौगातें भी दी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने बिजली, पानी, सड़क व रेलवे से जुड़ी 45000 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें सबसे खास पीएम मोदी द्वारा पार्वती-कालीसिंध-चंबल पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (PKC-ERCP) का उद्घाटन करना रहा। क्योंकि इस योजना से राजस्थान के 21 जिले लाभान्वित होंगे।

पीएम मोदी ने गोविंद देव जी को किया प्रणाम

बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर के पास दादिया गांव में अपने संबोधन की शुरुआत गोविंद की नगरी में गोविंद देव जी ने मारो घणा-घणा प्रणाम करते हुए की। उन्होने कहा कि राजस्थान की जनता को राजस्थान की भाजपा सरकार को एक साल पूरा करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं और एक साल की यात्रा के बाद आप जब लाखों की तादाद में आशीर्वाद देने के लिए आए हैं। मेरा भी सौभाग्य है कि मैं आज आपका आशीर्वाद को प्राप्त कर सका।
पीएम मोदी के साथ सीएम भजनलाल

इनवेस्टमेंट समिट को फिर से किया याद

उन्होंने हाल ही में इन्वेस्टमेंट समिट का जिक्र करते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले ही मैं इनवेस्टमेंट समिट के लिए राजस्थान आया था। देश और दुनिया भर के बड़े-बड़े निवेशक यहां जुटे थे। आज यहां 45-50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। ये प्रोजेक्ट राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। ये प्रोजेक्ट राजस्थान को देश के सबसे कनेक्टेड राज्यों में से एक बनाएंगे। रोजगार के अनगिनत अवसर बनेंगे। राजस्थान के टूरिज्म को, यहां के किसानों को, नौजवान साथियों को इससे बहुत फायदा होगा।

प्रदेश को उत्कृष्ठ बनाने की कही बात

पीएम ने कहा कि यह प्रोजेक्ट यहां पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। यह प्रोजेक्ट राजस्थान को देश के सबसे कनेक्ट राज्य में से एक बनाएंगे। इससे राजस्थान को निवेश में बल मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राजस्थान के पर्यटन और यहां के किसानों को मेरे नौजवान साथियों को उससे बहुत फायदा होगा। भाजपा की डबल इंजन सरकार सुशासन का प्रेरक बन रही है। भाजपा जो भी संकल्प लेती है, ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करती है। आज जो भी कर रहे हैं भाजपा शासन की गारंटी है। तभी तो एक के बाद एक राज्य में आज भाजपा को इतना भारी जल समर्थन मिल रहा है। देश ने लोकसभा में तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है।

भैरों सिंह और राजे को किया याद

पीएम मोदी ने कहा कि अभी-अभी राजस्थान के उपचुनाव में भी हमने देखा है कि कैसे भाजपा को लोगों ने जबरदस्त समर्थन दिया है। उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान ऐसा राज्य जिसकी लगातार सेवा का भाजपा को मौका मिलता रहा है। पहले भैरों सिंह शेखावत ने राजस्थान में विकास के सशक्त नींव रखी। उसके बाद वसुंधरा राजे ने कमाल संभाली और सुशासन की विरासत को आगे बढ़ाया। अब भजनलाल की सरकार सुशासन की धरोहर को और मजबूत करने में जुटी हुई है।

सुनाया किस्सा- कैसे आया नर्मदा का पानी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तब भैरों सिंह शेखावत और जसवंत सिंह मुझसे मिलने गुजरात आए थे। मैंने पूछा कैसे आए तो उन्होंने कहा आपसे ऐसे ही मिलने आए हैं। भैरों सिंह की उंगली पड़कर कई लोग राजनीति में आए हैं, लेकिन वो मेरे सामने बैठे नहीं, खड़े रहेज्मैं हैरान रह गया। तब भैरों सिंह ने कहा कि आपने जो किया है वह बहुत बड़ा काम हैज्आपने नर्मदा नदी का पानी राजस्थान को दिया है, उसी की बदौलत राजस्थान के चूरू, झुंझुनू, हनुमानगढ़, जालौर, बाड़मेर जिलों को नर्मदा का पानी मिल रहा है।

भजनलाल सरकार के काम की तारीफ की

राजस्थान में इस वर्ष क्या-क्या काम हुए हैं उसके बारे में पीएम मोदी ने विस्तार से कहा कि विशेष रूप से गरीब परिवारों, माताओं, बहन- बेटियों व श्रमिकों, विश्वकर्मा साथियों के परिवारों के लिए अनेक फैसले लिए गए हैं। नौजवानों के साथ पिछली कांग्रेस सरकार ने बहुत अन्याय किया। पेपर लीक और भर्तियों में घोटाला राजस्थान की पहचान बन चुकी थी। भाजपा सरकार ने आते ही इसकी जांच शुरू की और कई गिरफ्तार हुई है। इतना ही नहीं बीजेपी सरकार ने एक साल में हजारों भर्तियां निकाली। पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं हुई।

पीएम मोदी के साथ सीएम भजनलाल

राजस्थान को अन्य राज्यों की तुलना में महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ता था। यहां भाजपा सरकार बनते ही राजस्थान के भाई और बहनों को राहत मिली है। पीएम सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार किसानों के खातों में पैसा भेजती हैं। अब राजस्थान की डबल इंजन सरकार उसमें इजाफा करके अतिरिक्त पैसे जोड़कर किसानों को मदद पहुंचा रही है। केन्द्र के कामों को भी यहां डबल इंजन की सरकार तेजी से जमीन पर उतार रही है।

भजनलाल ने पेश किया 1 साल का रिपोर्ट कार्ड

43000 युवाओं को दी सरकारी नौकरी, 1 लाख से ज्यादा प्रक्रियाधीन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर के निकटवर्ती दादिया गांव में प्रदेश सरकार के एक साल पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम शिरकत की। पीएम मोदी ने पहली बार राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच पीकेसी-ईआरसीपी को लेकर फरवरी 2024 में हुए समझौते को सार्वजनिक किया है। पीएम मोदी की मौजूदगी में सीएम भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के एक साल का रिपोर्ट पेश किया। उन्होंने कहा कि एक साल में 43000 युवाओं को सरकारी नौकरी दी है और 1 लाख से ज्यादा नौकरियां प्रक्रियाधीन हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 17 दिसंबर का दिन हमारे लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। आज का दिन हमारे लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा, क्योंकि आज मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच एमओयू पर दस्तखत हो रहे हैं। ईआरसीपी से 21 जिलों में पानी मिलेगा और ढाई लाख हेक्टेयर में सिंचाई का पानी मिलेगा।

कर्म भूमि से मातृभूमि कार्यक्रम का जिक्र

सीएम भजनलाल ने एक साल का रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि राजस्थान के अंदर प्रवासी भाई बहनों द्वारा कर्म भूमि से मातृभूमि के कार्यक्रम के तहत राजस्थान के लगभग 45000 गांवों में 650 करोड़ रुपए के लागत से भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज प्लान बनाया जा रहा है। राजस्थान में लगभग इस तरह के 200 काम चल रहे है। राजस्थान में रिचार्ज के लिए नेटवर्क लग रहे हैं।

1 लाख से ज्यादा युवाओं को मिलेगी नौकरियां

युवाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में हमारी सरकार ने एक साल में 43000 युवाओं को नौकरी दी। 1 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरियां देने की प्रक्रिया चल रही है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से राजस्थान के 1700 गांवों में पक्की सड़कें बनेंगी।

1 साल में 10 लाख नए पेयजल कनेक्शन

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विद्युत उत्पादन और प्रसारण में अच्छा सुधार हुआ है। 1 साल में 10 लाख नए पेयजल कनेक्शन दिए गए है।

अभ्यर्थियों को मुफ्त कोचिंग

जयपुर @ जागरूक जनता। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा अमृत कलश योजना के तहत आरएएस प्री परीक्षा के लिए माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान में एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग का शुभारंभ जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने टीआरआई परिसर में किया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए खराड़ी ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्र के आदिवासी समाज का बच्चा भी कलक्टर - एसपी बने, इसी मंशा के साथ प्रयासरत हूं तथा निकट भविष्य में दिल्ली और जयपुर में टीएसपी एसटी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आईएएस कोचिंग शुरु करवाने की हमारी योजना है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रशासनिक सेवाओं में दक्ष और कार्यकुशल अभ्यर्थी चयनित होंगे तो इसके प्रशासन और समाज पर सकारात्मक प्रभाव होंगे।

राजस्थान में 499 नए पशु चिकित्सा उप केंद्र खुलेंगे, 998 नए पद स्वीकृत

जयपुर @ जागरूक जनता। जल्द ही 499 नए पशु चिकित्सा उप केंद्र खुलेंगे। इसके लिए सरकार ने प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। साथ ही इन केंद्रों के संचालन के लिए 998 नवीन पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई है। नए पशु चिकित्सा उपकेंद्र खुलने के बाद पशुओं की समस्याओं का निदान गांवों में भी हो सकेगा। इन उप केंद्रों के संचालन के लिए पशुधन सहायक और पशुधन परिचर के 998 पदों के लिए भी स्वीकृति जारी की गई है, जिससे पशुओं के टीकाकरण आदि की सुविधा तथा उनको इलाज समय पर और नजदीक ही मिल सकेगा। साथ ही इन सभी उप केंद्रों पर आवश्यक उपकरणों और फर्नीचर आदि के लिए 30-30 हजार रुपए की स्वीकृति भी जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इस आदेश के तहत खोले जाने वाले उप केंद्रों में बाड़मेर के 52, जोधपुर के 31, जालोर के 34, उदयपुर के 27, पाली के 49, बीकानेर के 24, चित्तौड़गढ़ और भरतपुर के 22- 22, अजमेर के 20, झालावाड़ के 19, भीलवाड़ा के 17, डूंगरपुर के 15 तथा जैसलमेर, करौली और प्रतापगढ़ के 13-13 उप केंद्र शामिल हैं। पूर्व में भी एक उप केंद्र खोले जाने की स्वीकृति दी जा चुकी है।

सम्पादकीय

संसद का शीतकालीन सत्र, हंगामा नहीं, बहस हो

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति के बावजूद दोनों सदन बार-बार स्थगित किए गए। अदाणी मामले पर कांग्रेस के विरोध और सत्ता पक्ष के पलटवार से गतिरोध बना रहा। वाजपेयी सरकार के दौरान विपक्ष से सहयोग लेने जैसे उदाहरण आज कल्पना से परे हैं। संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के 12वें दिन मंगलवार को भी दोनों सदन हंगामों के बीच पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए। सोमवार को भी ऐसा ही हुआ था। पिछले सप्ताह भी संसद में कमोबेश ऐसा ही दृश्य रहा। यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती।

देखा जाए तो यह पॉजिटिव डिवेलपमेंट था, जिसके बाद उम्मीद बंधी कि संसद का यह सत्र शायद स्वस्थ बहस का गवाह बने। खास बात यह रही कि इस दबाव के मद्देनजर कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति में भी बदलाव दिखा। अदाणी ग्रुप से जुड़े आरोपों पर जोर देने के लिए सदन में हंगामा करने के बजाय कांग्रेस के लोग सदन के अंदर और बाहर अन्य उपायों से इस मसले की ओर ध्यान खींचने लगे। काले रंग के पोस्टरयुक्त जैकेट पहनने से लेकर मुखौटे लगाने तक अलग-अलग तरीके आजमाए गए।

अफसोस की बात यह है कि इन सबसे संसद के अंदर माहौल में कोई खास बदलाव नहीं आया। विपक्ष के आरोप तो अपनी जगह बने ही रहे, सत्ता पक्ष इसके जवाब में कांग्रेस नेतृत्व की कथित भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के संगठन से मिलीभगत के आरोपों को उसी आक्रामकता से उठाता दिखा। नतीजा यह कि संसद में कामकाज सामान्य रूप से चलने की जो संभावना बन रही थी, वह धूमिल हो गई। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब हालात अलग थे। 2003 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने एक कूटनीतिक मामले में विपक्ष की मदद ली थी। वाजपेयी ने वामपंथी नेताओं को चाय पर बुलाया और उन्हें इराक में भारतीय फौज भेजने का विरोध के लिए मनाया। अमेरिका इसके लिए सरकार पर दबाव डाल रहा था। वाजपेयी इराक में भारतीय फौज नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी देना चाहते थे कि चूंकि देश में इस कदम का भारी विरोध हो रहा है, इसलिए वह मांग नहीं मान सकते।

आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसे संबंध की कल्पना नहीं की जा सकती। असल में, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के अंदर कामकाज सुचारू ढंग से चलता रहे, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सत्ता पक्ष पर इसका ज्यादा दायित्व होता है। ऐसे में बयानों और आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष का एक सा रवैया कोई अच्छी बात नहीं है।

ड्रोन उद्योग में दूसरी पीढ़ी के सुधार

बृजेन्द्र सिंह
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत को एयर कार्गो और यात्री एयर टैक्सी चलाने के लिए कानूनी तौर पर ड्रोन बीमा और देनदारी कवरेज भी अनिवार्य कर देनी चाहिए। यह 1999 के मॉन्ट्रियल समझौते जैसे वैश्विक मानकों के अनुकूल होगा। हवाई यात्रा में बीमा और देनदारी के नियम उसी समझौते के हिसाब से चलते हैं। अब ड्रोन उद्योग नई ऊंचाइयों को छू रहा है और दूसरी पीढ़ी के सुधार भारत को वैश्विक ड्रोन शक्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कहा कि एयर टैक्सी जल्द ही भारत में हकीकत बन जाएंगी। इससे संकेत मिलता है कि देश में ड्रोन के क्षेत्र में दूसरी पीढ़ी के सुधार शुरू हो सकते हैं। महज तीन साल पहले तक देश में ड्रोन बनाने और उन्हें चलाने की बात कोई सोच भी नहीं सकता था। मगर तब से अब तक काफी बदलाव आया है और देश ड्रोन तकनीक और नवाचार का नया अड्डा बन गया है। अब देश इस क्षेत्र में प्रगति के अगले चरण के लिए तैयार है। अगस्त 2021 में बने ड्रोन नियम देश के ड्रोन उद्योग के लिए सुधारों की पहली पीढ़ी साबित हुए। मगर इस उपलब्धि के साथ अलग तरह की चुनौतियां आईं और इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। वर्षों की चर्चा और ड्रोन क्षेत्र को खोलने की मांग के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने मार्च 2021 में ड्रोन नियमन तैयार किए। इन नियमों का लक्ष्य निजी उपक्रमों को बढ़ावा देना था मगर उन्होंने बहुत अधिक बंदिशें भी लगाईं, जिनसे उद्योग की वृद्धि का रास्ता बाधित होने का खतरा पैदा हो गया।

कहानी में असली और निर्णायक मोड़ तब आया, जब मोदी ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कई बैठकें कीं, जिनसे मंत्रालयों, सुरक्षा एजेंसियों और इससे जुड़े दूसरे अहम पक्षों को साथ लाने में मदद मिली और अधिक प्रगतिशील रुख के साथ तालमेल पक्का हुए। मार्च 2021 के नियमों की जगह अगस्त 2021 के नियम लागू किए गए और उसके बाद इतिहास बन गया। देश का 90 फीसदी से अधिक हवाई क्षेत्र पहले ही ड्रोन के संचालन के लिए अनुकूल घोषित कर दिया गया और मानवरहित विमान प्रणाली यातायात प्रबंधन (यूटीएम) फ्रेमवर्क को मंजूरी दे दी गई। उद्यमियों को ऊर्जा देने और प्रोत्साहित करने के लिए भारत ड्रोन महोत्सव 2022 का आयोजन किया गया। इससे ड्रोन के समूचे तंत्र के भीतर नेतृत्व और नवाचार को बढ़ावा मिला। सरकार ने ड्रोन क्षेत्र को खोलने के साथ ही उनसे इस्तेमाल को मुख्य धारा में लाने के मकसद से परिवर्तनकारी कदम शुरू किए। मिसाल के तौर पर स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन का इस्तेमाल कर 2.90 लाख से अधिक गांवों का सर्वेक्षण किया गया और नक्शे तैयार किए गए। इस तरह लाखों लोगों को उनकी जमीन या संपत्ति के स्वामित्व के प्रमाणपत्र दिए गए, जो पहले उनके पास नहीं थे। इसी तरह नवंबर 2021 में बड़ी खदानों के लिए ड्रोन सर्वेक्षण अनिवार्य कर दिया गया। इससे सर्वेक्षण

अधिक कारगर हुआ है और जवाबदेही भी बढ़ी है।

कृषि क्षेत्र में करीब 30 लाख एकड़ इलाके में हवाई छिड़काव के लिए 3,000 से ज्यादा ड्रोन तैनात किए गए हैं और आने वाले दिनों में इनकी तादाद में इजाफा ही होगा। इसी तरह ड्रोन दीदी कार्यक्रम ने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया है और 1,000 से अधिक महिलाओं को ड्रोन पायलट बनने का प्रशिक्षण दिया है। इस तरह ग्रामीण इलाकों में ड्रोन तकनीक का व्यावहारिक इस्तेमाल शुरू हुआ।

देसी उद्योग की वृद्धि को मदद पहुंचाने के लिए सरकार ने विदेशी ड्रोन के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। उसने देश में ड्रोन उद्योग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) शुरू की और निर्यात के नियमों में ढील दी। आईडेक्स चैलेंज जैसी पहलों ने स्टार्टअप को राष्ट्रीय रक्षा क्षेत्र के लिए ड्रोन तैयार करने के वास्ते प्रेरित किया, जिससे अन्य देशों को निर्यात करने की संभावनाएं तैयार हुईं। नतीजा यह हुआ कि जो भारतीय ड्रोन बाजार 2021 में लगभग शून्य था वह 2024 में बढ़कर करीब 65.4 करोड़ डॉलर हो गया और 2029 तक यह बाजार 1.43 अरब डॉलर पर पहुंच जाने की संभावना है। देश में 2024 में कुल 10,803 ड्रोन उड़ रहे हैं, जिनकी तादाद 2029 तक बढ़कर 61,393 पर पहुंच जाने की संभावना है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि देश में ड्रोन का भविष्य नवाचार से भरा और मजबूत होगा।

ड्रोन तकनीक नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रही है, नए-नए क्षेत्रों में पहुंच रही है तब एयर टैक्सी शहरी यातायात में क्रांति ला सकती है। कई शहरों में भीड़ और यातायात की समस्या का यह कारगर समाधान हो सकती है। भारत के महानगरों में लोग काम पर जाने में ही औसतन 2 घंटे यानी पूरे दिन का करीब 7 फीसदी हिस्सा खपा देते हैं। इस मामले में दुनिया में सबसे ज्यादा वक्त भारत में ही बरबाद होता है। ड्रोन टैक्सी से लोगों का समय बच जाएगा। इसी प्रकार ड्रोन एंबुलेंस किसी भी आपात स्थिति में बहुत जल्दी पहुंच सकती है। चिकित्सा के अलावा कानून प्रवर्तन और आपदा राहत में भी एयर टैक्सी का इस्तेमाल किया जा सकता है। अमेरिका, इजरायल, चीन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई देश पहले ही ड्रोन टैक्सी कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। चीन ने तो अक्टूबर 2023 में नया इतिहास बनाया, जब वहां दो यात्रियों वाली ड्रोन टैक्सी को टैक्सी श्रेणी का प्रमाणन दिया गया। इस मामले में दुबई भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सुधारों के पहले चरण का फायदा उठाकर भारत वैश्विक ड्रोन उद्योग में सबसे होड़ लेने वाली ताकत के रूप में उभरा है। कई स्टार्टअप स्वदेशी ड्रोन टैक्सी डिजाइन को आगे बढ़ा रहे हैं। किंतु इस क्षेत्र की संभावनाओं का पूरी तरह दोहन करने के लिए सुधारों का अगला चरण लागू करना जरूरी है। ड्रोन टैक्सी उड़ान भरने या नीचे उतरने के मामले में विमानों से अलग होती हैं और ये एकदम लंबवत उठती या उतरती (वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग) हैं, इसलिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में ये बहुत कारगर होती हैं। मगर इन्हें भी एयरपोर्ट और बस अड्?डों की तरह वर्टिपोर्ट की जरूरत होती है। इस जरूरत को समझते हुए नागर विमानन महानिदेशालय ने विमान नियम, 1937 के तहत एक मशविरा पत्र पांच सितंबर को जारी किया। इसमें वर्टिपोर्ट के लिए बुनियादी ढांचे के मानक तय किए गए हैं, जिनमें यात्री टर्मिनल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, नीचे उतरने के लिए विजुअल मदद, बैटरी चार्जिंग के नियम-कायदे तथा आपात स्थिति में प्रतिक्रिया की प्रणाली आदि शामिल है। सही वक्त पर और दूर की सोच के साथ जारी यह मशविरा पत्र देश में ड्रोन सुधारों के दूसरे चरण की ओर पहला मगर अहम कदम है। नागर विमानन महानिदेशालय ने यानों के वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग के लिए प्रमाणन के कायदे 11 सितंबर को जारी किए। ये कायदे उन विमानों पर लागू होते हैं, जो अधिकतम 5,700 किलोग्राम वजन लेकर उड़ान भरते हैं। इनमें 40-50 यात्रियों की क्षमता वाली एयर टैक्सी आ जाती हैं। इनमें मौजूदा बंदिशें हटा दी गई हैं और एयर टैक्सी को 400 फुट से अधिक ऊंचाई पर उड़ने या नजर से ओझल हो जाने की भी इजाजत है। भारत को ड्रोन टैक्सी के लिहाज से तैयार होना है तो स्वचालित मानवरहित यातायात प्रबंधन जैसी अहम नीतिगत व्यवस्था जरूरी है। ऐसी व्यवस्था मानव सहित या मानवरहित विमानों के अबाध संचालन के लिए आवश्यक है। अगस्त 2021 के नियमों के बाद ड्रोन परिचालन को नियमित और स्वचालित करने के लिए डिजिस्काई प्लेटफॉर्म की परिकल्पना की गई, लेकिन इसे साकार होने में देर हो रही है।

जीवंत दुनिया में व्हाट्सएप के प्लास्टिक रिश्ते

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आज हमारा जीवन व्हाट्सग्रुप में बंधकर रह गया है। सुबह उठने से लेकर रात्रि को सोने तक, सब व्हाट्सअप ग्रुप में। शादी-समारोह, मिलना-जुलना भी अब व्हाट्सअप ग्रुप में ही लाइव हो रहा है। ये जीवंत रिश्ते अब प्लास्टिक जैसे होते जा रहे है। इन प्लास्टिक रिश्तों में गहराई इतनी है कि तुमसे से ज्यादा हमारा नजदीक कोई नहीं। घर का अलग ग्रुप, ससुराल को अलग तो फ्रेंड्स का अलग। इन ग्रुप्स में साल भर बर्थडे और एनिवर्सरी की बधाइयों के साथ तस्वीरें और वीडियो फॉरवर्ड का सिलसिला चलता रहता है। परिवार में किसी की शादी हो लेकिन दूरी या व्यस्तता की वजह से न जा पाएं तो ग्रुप में आने वाली फोटोज़ और विडियोज़ के ज़रिए ही लगता है कि हम भी फंक्शन में शामिल हो गए। इन ग्रुप्स का यही फायदा है कि अलग-अलग शहरों या विदेश में होकर भी पूरा परिवार हमेशा आपस में जुड़ा रहता है।

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या परिवार के ये सदस्य आपस में दिल से भी जुड़े हैं? या इनमें रिश्ते बस अपनी फोटो या कुछ पोस्ट शेयर और लाइक करने तक ही सीमित रह गए हैं? पुराने ज़माने में भले ही साल में एक बार मिलते थे लेकिन उसकी यादें जीवन भर साथ रहती थीं। आज तो इन ग्रुप्स के ज़रिए हम हर रोज़, हर पल कनेक्टेड हैं, लेकिन फिर भी एक अधूरापन सा लगता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि रोज़ की ऑनलाइन मुलाकात के बाद भी शायद ही कोई एक दूसरे के बारे में वाकई कुछ जानता है या जानना चाहता है। रिश्तों का असल मतलब तो एक-दूसरे से अपने सुख-दुख शेयर करने में ही है। लेकिन ऑनलाइन तो सब अच्छा ही दिखाना चाहते हैं। कहां घूमने गए, कहां पार्टी की या शादी में कितनी मस्ती की। कोई भी यह नहीं बताता कि उसकी ज़िंदगी में असल में चल क्या रहा है, घर-परिवार या नौकरी में कोई समस्या तो नहीं? लेकिन जब आमने-सामने मुलाकात होती थी तो बिना हिचक एक दूजे से अपने दिल की हर बात शेयर कर लेते थे।

अब दिल की बात शेयर करना तो दूर, फैमिली ग्रुप्स में रिश्ते ही प्लास्टिक होते जा रहे हैं। इस हद तक कि इनमें संवेदनशीलता की कमी झलकने लगी है। किसी का खुशी का मैसेज आ जाए तो बधाईयों का तांता लग जाता है और किसी का दुःख का मैसेज आ जाए तो सांत्वना की लाईन लग जाती है। इस प्लास्टिकनुमा जीवन में हम इतने घुल गये हैं कि हकीकत से कौसो दूर जा चुके हैं। खुशी और दुःख में बधाई और सांत्वना का दौर हद मारकर एक दिन रह पाता है। अगले दिन हम फिर से वहीं प्लास्टिक रिश्तों को बुनने लगते हैं। हाय, हलो, गुड-मॉर्निंग, गुड इवनिंग आदि। लेकिन इतना तय है कि इस हजारों की लिस्ट में आप शामिल तो है, किन्तु फिर भी अकेले हैं। जीवन का नाम शायद चलते रहना ही है। किन्तु हम जीवंत रिश्तों को दरकिनार कर प्लास्टिक रिश्तों को सहज स्वीकार करते जा रहे हैं।

दहेज प्रताड़ना के कानून से भी ज्यादा खतरनाक है एससी एसटी का कानून

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दहेज प्रताड़ना कानून के अंतर्गत हुई कार्यवाहियों से परेशान होकर बेंगलुरू के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के सुसाइड कर लेते के बाद अब देशभर में दहेज प्रताड़ना कानून के नाम पर हो रही ज्यादतियों को लेकर चर्चा हो रही है। न्यूज़ चैनलों पर इस कानून के प्रावधानों को लेकर बहस हो रही है। अधिकांश लोगों का मानना है कि इस कानून की आड़ में निर्दोष लोगों को परेशान किया जाता है। पीड़ित महिला के बयान के आधार पर ही पति के साथ साथ सास ससुर, ननद देवरानी आदि रिश्तेदारों को भी मुजरिम बना दिया जाता है। भले ही पीड़ित महिला अपने पति के साथ दूसरे शहर में रहती हो, लेकिन फिर भी ससुराल वालों पर आरोप लगाए जाते हैं। इंजीनियर अतुल सुभाष ने सुसाइड करने से पहले एक वीडियो बनाया और अपने केस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अतुल सुभाष का कहना रहा कि पुलिस ही नहीं अदालतें भी दहेज प्रताड़ना के मामले में न्याय नहीं कर रही है। पुलिस में चल रहे भ्रष्टाचार को भी अतुल ने उजागर किया है। आज देश भर में जिस तरह दहेज प्रताड़ना कानून को लेकर चर्चा हो रही है, वैसी ही चर्चा एससी एसटी (अत्याचार निवारण) कानून को लेकर भी होनी चाहिए। इस कानून में भी शिकायतकर्ता के आरोप मात्र पर ही गिरफ्तारी हो जाती है। संबंधित व्यक्ति ने जातिसूचक शब्द बोलकर अपमानित किया या नहीं इसकी जांच बाद में होती है। प्रथम दृष्ट्या यह माना जाता है कि एससी एसटी वर्ग के व्यक्ति ने जो बात कही है, वह सही है। गंभीर बात तो यह है कि बिना जांच के गिरफ्तारी होने पर अधीनस्थ अदालतें भी जमानत नहीं देती है। जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि अधीनस्थ अदालतों को जमानत देने से घबरा नहीं चाहिए। यदि न्यायाधीश को यह लगता है कि आरोपी व्यक्ति निर्दोष है तो जमानत दी जानी चाहिए। आज जिस प्रकार दहेज प्रताड़ना कानून के दुरुपयोग के आरोप लग रहे हैं उसी प्रकार एससी एसटी कानून के दुरुपयोग की भी खबरें आ रही है। रिकॉर्ड बताता है कि एससी एसटी के आधे से ज्यादा मामलों में अदालतों में आरोप लगाने वाला व्यक्ति बयान बदला देता है। कई मामलों में समझौता भी हो जाता है। यह सही है कि समाज में सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए एससी एसटी (अत्याचार निवारण) कानून बनाया गया है। कई मामलों में यह कानून जरूरी भी है, लेकिन देखने में आया है कि व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने के लिए भी ऐसे आरोप लगा दिए जाते हैं। यदि किसी श्रमिक को मन मर्जी का मेहनताना नहीं मिला तो वह भी संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एससी एसटी कानून में मुकदमा दर्ज करवा देता है। कई बार अधीनस्थ कर्मचारी उच्च अधिकारी के खिलाफ भी ऐसा मुकदमा दर्ज करवा देता है। जब रिपोर्ट लिखाई जाती है तो सबसे ज्यादा मौज पुलिस की होती है। बिना जांच के गिरफ्तारी का डर दिखाकर पुलिस अपना स्वार्थ पूरा कर लेती है। ऐसे मामलों में भारी लेनदेन होता है। जो व्यक्ति मोटी राशि देने में असमर्थक है उसे जेल जाना ही पड़ता है।

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

मन में संकल्प विकल्प से कामनाओं की उत्पत्ति होती है। वस्तु का स्फुरण रूप विज्ञान, इन्द्रियों के व्यापार मेंसहायक होना, पदार्थों का विशेष ज्ञान करना ये बुद्धि के कार्य है। संशय, विपरित ज्ञान, निश्चय, स्मृति आदि भी बुद्धि के लक्षण है। कर्म प्राण की शक्ति है और ज्ञान बुद्धि की। जीव द्वारा सूक्ष्म शरीर को ही आत्मा मान लेना अज्ञान मूलक है। शरीर इन्द्रियां, तन्मात्रा, अन्तःकरण आदि आत्मा नहीं है। गुण और कर्म ही जन्म-मृत्यु के कारण है। जब तक शरीर और प्रकृति को आत्मा से पृथक न माना जाये, यह चक्र चलता ही रहता है।

भगवान के स्वरूप एवं ऐश्वर्यों का वर्णन

भगवान में गजेन्द्र मोक्ष नाम से एक आख्यान है। गज रूपी जीव जब ग्राह रूपी संसार के माया जाल से अपने प्रयास से छूटने में असहाय महसूस करता है, वह अनन्य भाव से भगवान के रूवरूप और उनके ऐश्वर्यों का वर्ण करते हुए उनकी स्तुति करताहै, जो संक्षेप में इस प्रकार है-

भ्गवान जगत के मूल कारण है और सबके हृदय में पुरुष के रूप में विराजमान है एवं वे समस्त जगत के एक मात्र स्वामी है, जिसके कारण इस संसार में चेतना का विस्तार होता है। यह संसार उन्हीं में स्थित है... **क्रमशः**

ओपिनियन

कवच लगे बीज करेंगे खेती की दिक्कतों का निपटारा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

विश्व में तापमान में वृद्धि के साथ कृषि को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से सूखा पड़ने की घटनाएं बढ़ेंगी और कुछ भूमि कृषि योग्य नहीं रह पाएगी। इसके अलावा फर्टिलाइजर और अन्य कृषि रसायनों के उत्पादन का विस्तार किए बिना बढ़ती आबादी के लिए भोजन का इंतजाम करना भी मुश्किल होगा। मुश्किल यह है कि फर्टिलाइजर का उत्पादन बढ़ाने से कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा, जो ग्लोबल वॉर्मिंग में योगदान दे रहा है। अब अमेरिका में MIT के वैज्ञानिक इन मुद्दों को विभिन्न कोणों से हल कर रहे हैं।

रोहित पाराशर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

वैज्ञानिक ऐसे पौधों के विकास में लगे हैं जो तनाव होने पर अलार्म बजाते हैं और बीजों को सूखे के प्रति अधिक सहनशील बनाते हैं। ये और भविष्य में विकसित होने वाली दूसरी तकनीक जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया की आबादी

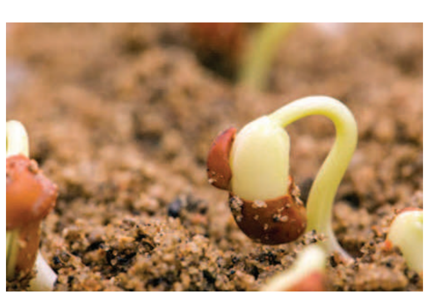

को पोषित करने के लिए आवश्यक होंगी। MIT के वैज्ञानिक बेनेडेटो मारेली के मुताबिक पानी के बाद पहली चीज जो हमें चाहिए, वह है भोजन। चूंकि हम 10 अरब लोगों की दुनिया के पोषण के लिए नई रणनीतियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमें खाद्य पदार्थ उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने होंगे। MIT ने हाल ही में जलवायु परियोजना के छह मिशन शुरू किए हैं। मारेली इनमें से एक के निदेशक हैं जो उद्योग को कार्बन रहित करने और प्रतिकूल मौसमी हालात झेलने वाले शहरों के निर्माण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मारेली सूखे की स्थिति में या पोषक तत्वों से रहित मिट्टी में बीजों को जीवित रहने और अंकुरित होने में मदद करके फसल की पैदावार बढ़ाने के तरीके विकसित कर रहे हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्होंने बीजों के लिए रेशम और अन्य पॉलिमर पदार्थ पर आधारित कोटिंग तैयार की है, जो महत्वपूर्ण अंकुरण प्रक्रिया के दौरान बीजों को ढक सकती हैं और उन्हें पोषण दे सकती हैं। स्वस्थ मिट्टी में पौधों को नाइट्रोजन, फॉस्फेट और अन्य पोषक तत्व मिलते हैं। इनमें से कई तत्वों की आपूर्ति मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव करते हैं। सूखे या अत्यधिक खेती से प्रभावित मिट्टी में अक्सर इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

मारेली का विचार बीजों को एक ऐसे पॉलिमर से ढकना था, जिसमे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बैक्टीरिया को समाविष्ट किया जा सके। यह बैक्टीरिया हवा से नाइट्रोजन को लेकर इसे पौधों को देता है। ये सूक्ष्म जीव पौधों को अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध करा सकते हैं। MIT में अपनी लैब में मारेली ने दिखाया कि बीज की कोटिंग अंकुरित पौधों को सूखे, अल्ट्रा वॉयलेट प्रकाश के संपर्क और उच्च लवणता से बचने में मदद कर सकती हैं।

मारेली मोरक्को के रिसर्चरों के साथ काम करते हुए वहां की मूल फसलों के लिए इस नई तकनीक को आजमा रहे हैं। मोरक्को ने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वर्षा में गिरावट के कारण लगातार छह वर्षों तक सूखे का सामना किया है। इन अध्ययनों के लिए रिसर्चर रेशम के बजाय खाद्य अपशिष्ट से प्राप्त बायोपॉलिमर कोटिंग का उपयोग कर रहे हैं, जो मोरक्कों में आसानी से मिल जाती है। रिसर्चर बायोपॉलिमर निकालने के लिए स्थानीय लोगों के साथ काम कर रहे हैं। वे एक ऐसी प्रक्रिया विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो बड़े पैमाने पर काम कर सके।

MIT के रिसर्चरों का एक मकसद फर्टिलाइजर उत्पादन में कार्बन फुटप्रिंट कम करना भी है। सिंथेटिक फर्टिलाइजर अधिकांश खेतों के लिए जरूरी है, लेकिन इसका इस्तेमाल महंगा है और पर्यावरण पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। दुनिया में ज्यादातर फर्टिलाइजर का उत्पादन हैबर-बॉश प्रॉसेस का उपयोग करके किया जाता है, जो उच्च तापमान और दबाव पर नाइट्रोजन और हाइड्रोजन को अमोनिया में बदलता है। इस प्रॉसेस में ज्यादा ऊर्जा लगती है। दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में इस प्रॉसेस का हिस्सा लगभग 1.5 प्रतिशत है। दुनिया भर के खेतों तक इस फर्टिलाइजर के लिए आवश्यक परिवहन से और भी अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

वर्षा रितु राशी डॉटर सीमा-राजेन्द्र जोशी, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 18/12/2024

सूर्योदय : 07:14 **सूर्यास्त** : 17:32 **चन्द्रोदय** : 20:37 **चन्द्रास्त** : 09:52 **शक सम्वत** : 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना** : मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत** : पौष **सूर्य राशि** : धनु **चन्द्र राशि** : कर्कपक्ष : कृष्ण **तिथि** : तृतीया, 10:08 तक **वार** : बुधवार **चन्द्रमास पौष** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2081 पिङ्गल **मार्गशीर्ष** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2081 नल **ऋतु:** शरद।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पुष्य, 24:59 तक
योग : इंद्र, 19:29 तक
प्रथम करण : विष्टि, 10:08 तक
द्वितिय करण : बावा, 22:04 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:19 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:46 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:01 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:25 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:28 पी एम से
अमृत काल	06:30 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:51 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : उत्तर में
होमाहुति : मंगल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ : 07:13 - 08:30	उद्वेग : 17:32 - 19:14
अमृत : 08:30 - 09:48	शुभ : 19:14 - 20:57
काल काल वेला : 09:48 - 11:05	अमृत : 20:57 - 22:40
शुभ : 11:05 - 12:22	चर: 22:40 - 00:22
रोग वार वेला : 12:22 - 13:40	रोग : 00:22 - 02:05
उद्वेग : 13:40 - 14:57	काल : 02:05 - 03:48
चर : 14:57 - 16:14	लाभ : 03:48 - 05:31
लाभ : 16:14 - 17:32	उद्वेग : 05:31 - 07:13

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज तृतीया

आज कौन सा कार्य करें

तृतीया को यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, कृष्ण, तृतीया, 2081 बुधवार, 18 दिसम्बर - 24 दिसम्बर, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
यात्रा मनोरंजक रहेगी। मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

वृश्चिक [तो, ना, नी, नू, या, यी, यू]
शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारिक अनुबंध हो सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
विवेक से कार्य करें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

पहली बार ग्राम पंचायतों में लगेंगे प्रशासक

राजस्थान में अभी नहीं होंगे सरपंच चुनाव!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश की 6759 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल जनवरी में पूरा होने वाला है। ऐसे में राज्य सरकार नगर निकाय की तर्ज पर ही जनप्रतिनिधियों को प्रशासक लगाने की तैयारी में है। वहीं, 704 ग्रांम पंचायतों का कार्यकाल मार्च 2025 में पूरा होगा, इनमें भी प्रशासक लगेंगे। दरअसल, भजनलाल सरकार वन स्टेट वन इलेक्शन के चलते ऐसा फैसला ले रही है।

चुनाव कार्यक्रम तीन पहले जारी करना जरूरी

राजस्थान सरकार ने 25 नवंबर को 49 निकायों में कार्यकाल पूरा होने के चलते प्रशासक लगाने की शुरुआत हुई थी। बता दें कि सरकार पहले से ही ग्राम पंचायत चुनाव नहीं करवाने की पक्ष में थी। क्योंकि मतदाता सूचियां तैयार करना और चुनाव कार्यर् म जारी करने में तीन माह का समय लगता है। ऐसे में 6759 ग्राम पंचायतों में चुनाव किसी भी सूरत में समय पर संभव नहीं हो सकते। इसी के चलते प्रशासक लगना तय है।

परिसीमन पर सरकार ने साधी चुप्पी

दूसरी ओर, पंचायती राज ने निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गए परिसीमन रिमाइंडर का जवाब नहीं दिया। बता दें कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग को राज्य निर्वाचन आयोग ने नए जिलों से जुड़े परिसीमन को लेकर चार रिमाइंडर भेजे, लेकिन चुनाव कराने से संबंधित क्षेत्रों के निर्धारण को लेकर जवाब अब तक नहीं मिला है।

सरकार ने एमपी, झारखंड का उदाहरण चुना

राजस्थान में ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर भजनलाल सरकार एमपी, झारखंड और हाल में उत्तराखंड में अपनाए गए फॉर्मूले का अध्ययन कर ऐसा करने जा रही है। जबकि कई राज्यों में पंचायती राज में प्रशासक की जगह पुराने जनप्रतिनिधि को बरकरार रखा जाता है। ऐसे में उस प्रशासक के पास वित्तीय और प्रशासनिक पावर रहते हैं। बताया जाता है कि इस फॉमूले से जनता की मांगों को ध्यान में रखकर विकास कराया जाता है।

मॉर्निंग वॉक पर मुख्यमंत्री, सेंट्रल पार्क में लोगों से की मुलाकात

सुबह-सुबह योग-व्यायाम जरूर करें...

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के सेंट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक किया। उन्होंने वॉक के साथ लोगों से संवाद भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''फिट इंडिया'' अभियान के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अचानक अपने बीच पाकर लोग पहले तो आश्चर्यचकित हुए, फिर उनके साथ ही कदमताल मिलाते हुए वॉक करने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को सुबह-सुबह योग, व्यायाम या मॉर्निंग वॉक जरूर करना चाहिए जिससे वे स्वस्थ रहेंगे तथा पूरे दिन ताजगी तथा ऊर्जावान रहते हुए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने सेंट्रल पार्क स्थित प्राचीन मन्दिर महामाया दरबार और बालाजी मन्दिर में दर्शन किए। इसके बाद शर्मा ने आमजन के साथ चाय पर चर्चा की। इस दौरान जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला जेकेके में 30 तक

जयपुर @ जागरूक जनता। सरस मेलों के माध्यम से ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिलायें न केवल आजीविका के अवसर पैदा कर रहीं है अपितु देश में महिला सशक्तिकरण का एक बेहतरीन उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही है। आजीविका की यात्रा में यह निश्चित रूप से मील का पत्थर है। प्रदेश की राजधानी जयपुर एक बार फिर सरस आजीविका मेला–2024 से गुलजार हो रहा है। इस मेले में देश के विभिन्न राज्यों से जुडी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुए उपलब्ध है। इस मेले का आयोजन जयपुर के जवाहर कला केन्द्र एवं इन्दिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में 30 दिसम्बर तक किया जा रहा है। यहा 300 से अधिक स्टॉल लगी है, जहां कपड़े, फुटवियर, ज्वैलरी, खाने-पीने तक का सामान उपलब्ध है।

एलईडी वाहन आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उपकेंद्र) पर मिलने वाली सेवाओं के बारे में जनमानस को कर रहा है जागरूक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा व विकल्प इंडिया सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में कोटा जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों(उपकेंद्रों) के क्षेत्र में एलईडी वाहन से मिलने वाली सेवाओं का प्रचार प्रसार हो रहा हैं आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेंद्र एलईडी वाहन का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। यह वाहन विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, सरकारी सुविधाओं और लाभों के बारे में जानकारी पहुंचाएगा, विशेष रूप से आभा आईडी, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मिलने वाली सुविधाएं, जिसका उद्देश्य गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना है। वाहन में लगी स्क्रीन पर वीडियो दिखाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इन वीडियो में स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ डेंगू मलेरिया एवं विभिन्न रोगों, उनके होने के कारणों और उनसे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जाएगा। यह पहल खासतौर से उन समुदायों के लिए उपयोगी है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं के बारे में जानकारी का अभाव है। इस वाहन के संचालन की जिम्मेदारी विकल्प इंडिया सोसाइटी की टीम को ही दी गई है जो आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्रों में जाकर प्रचार प्रसार करेगी।

"आयुष्मान आरोग्य मंदिर एलईडी वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचकर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।" जिससे लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क और सजग रहें।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने लगा दूध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दूध मिलने लगा। महिला बाल विकास विभाग की योजना शुरू। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी केंद्रों में दूध पहुंचाना शुरू कर दिया है। विभाग ने हर तीन माह के लिए 743.5 मैट्रिक टन दूध आपूर्ति के लिए राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) को ऑर्डर दिया है। आरसीडीएफ ने 256.4 मैट्रिक टन दूध की आपूर्ति शुरू कर दी है।

हर तीन माह के लिए दूध आपूर्ति के लिए दिया जाएगा वर्कऑर्डर

समेकित बाल विकास सेवाएं के निदेशक ओ.पी. बुनकर ने बताया कि इसी माह सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में दूध की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। हर तीन माह के लिए दूध आपूर्ति के लिए वर्कऑर्डर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना का शुभारंभ

बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में दूध पिलाने के लिए मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की थी। अब उदयपुर में आयोजित महिला सम्मेलन में विभाग ने मुख्यमंत्री से आंगनबाड़ी केंद्रों में दूध आपूर्ति करवाने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना का शुभारंभ भी करवाया।

पुष्यनक्षत्र योग में होगा स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन

आयुर्वेद विवि 12 केन्द्रों पर पिलायेगा स्वर्णप्राशन ड्रॉप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम बुधवार को पुष्यनक्षत्र योग में एम्स, जोधपुर की आयुष ओ.पी.डी. में, जालौरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह-नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़, गोद-ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड में आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि आमजनता में बच्चों के सर्वांगीण स्वास्थ्य में स्वर्णप्राशन के लाभ और महत्त्व के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिये प्रतिमाह की भांति बुधवार को जोधपुर शहर के 12 केन्द्रों पर स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है तथा प्रतिमाह पुष्य नक्षत्र के दिन विश्वविद्यालय के बाल रोग विभागान्तर्गत करवड़ स्थित चिकित्सालय सहित 12 केन्द्रों पर सैकड़ों की संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से स्वर्णप्राशन ड्रॉप्स पिलाने के लिये आ रहे हैं। स्वर्ण प्राशन की अगली खुराक आगामी पुष्य नक्षत्र दिनांक 14 जनवरी 2025 को उक्त 12 स्थानों पर बच्चों को पिलाई जायेगी। स्नातकोत्तर बालरोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने विभिन्न केन्द्रों पर सुचारु रूप से व्यवस्था के लिये चिकित्सकों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं की ड्यूटी लगाकर कार्य सम्पादन करने के लिए निर्देशित किया।

वृद्धजन सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान पेंशन मंच जयपुर शाखा के तत्वाधान में शीश महल गार्डन, रेनवाल रोड पर "वृद्धजन सम्मान समारोह" आयोजित कियागया। कार्यक्रम में आयोजक अध्यक्ष राधेश्याम यादव के अलावा रामपाल कुमावत, सीताराम बुनकर एवं सभी पदाधिकारीयो को भुवनेश शर्मा, नगेन्द्र वशिष्ठ भी उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया। इसके अलावा सभी वृद्धजनों का सम्मान किया गया।

स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'शिल्प सृजन संस्था' के द्वारा आदर्श नगर, कच्ची बस्ती, जयपुर में लगभग 200 बच्चों को स्वेटर वितरण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम संचालन सचिव कुलदीप सिंह बैंसला जी द्वारा किया गया । कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रबुद्धजन पारुल नैयर ट्रांसपोर्ट नगर वृत निरीक्षक संजय बाफना, संस्था अध्यक्ष ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। विधालय प्रधानाध्यापक पंडित नीरज मोहन शर्मा एवं समस्त स्टाफ ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जागरूक खबरें

सरिता पांडे जिला साहित्य सेवा सम्मान 2024 से सम्मानित

चित्रकूट @ जागरूक जनता। पं. राजधर परहित सेवा संस्थान के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान तुलसी जन्मभूमि राजापुर की कवियत्री व लेखिका सरिता पांडेय को देवी रत्नावली (गोस्वामी तुलसीदास की पत्नी) के जीवन पर आधारित साहित्यिक कृति रत्नावली की कवितावली हेतु " जिला साहित्य सेवा सम्मान 2024" से किया गया सम्मानित। उपरोक्त सम्मान अविनाश चन्द्र द्विवेदी विधायक मऊ मानिकपुर एवं आईएएस जुगुल किशोर तिवारी जी के द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया सम्मान। राजापुर चित्रकूट सहित समूचे बुंदेलखंड को गौरवान्वित करने वाले यह अविस्मरणीय पल साबित हुए।

रावतसर में पशु चिकित्सा केंद्र स्वीकृत, ग्रामीणों ने जताया विधायक का आभार

रावतसर @ जागरूक जनता। बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत रावतसर में बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी की अनुशंसा पर सोमवार को रावतसर में पशु चिकित्सा उपकेंद्र स्वीकृत करने पर ग्रामीणों ने बाड़मेर विधायक डॉ प्रियंका चौधरी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केबिनेट मंत्री पशुपालन जोराराम कुमावत और राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम,का आभार व्यक्त किया है। रावतसर में पशु चिकित्सा केंद्र स्वीकृत होने पर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गेनाराम मेघवाल, मंडल महामंत्री पेमाराम पोटलिया, ओबीसी मोर्चा चवा मंडल अध्यक्ष दिलीप लौहार, सामाजिक कार्यकर्ता डालू जाखड़ सहित ग्रामीणों ने डॉ प्रियंका चौधरी और मंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया है।

झीलों की नगरी मेंसिंधु लेंगी सात फेरे, सितारे उतरेंगे जमीं पर

उदयपुर @ जागरूक जनता। अपनी खूबसूरत झीलों और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए फेमस उदयपुर एक और शाही शादी का गवाह बनने जा रहा है। बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की शादी उदयपुर में होने जा रही है। इस रॉयल वेडिंग में देश-विदेश से मेहमान शामिल होंगे, जिन्हें शादी का निमंत्रण दिया गया है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु 22 दिसंबर को आईटी कंपनी के डायरेक्टर वेंकट दत्त साई के साथ विवाह बंधन में बंधेंगी। तीन दिन तक अलग-अलग रस्में निभाई जाएंगी। शादी के बाद 24 दिसंबर को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन का आयोजन होगा। पीवी सिंधु और उनके मंगेतर वेंकट दत्त साई के परिवार 20 से 22 दिसंबर तक उदयपुर में रहेंगे। शादी के कार्यक्रमों का आयोजन ऐतिहासिक पिछोला झील स्थित लेक पैलेस, लीला पैलेस और जग मंदिर में किया जाएगा। पीवी सिंधु ने भी जिन लोगों को शादी का निमंत्रण दिया है, उनकी फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। जिसमें कई केंद्रीय मंत्री से लेकर कई फिल्म स्टार और सिनेमा जगत के लोग शामिल हैं।

इन मेहमानों को मिला निमंत्रण: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सचिन तेंदुलकर, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, किरण रिजिजू सहित कई केंद्रीय मंत्रियों के अलावा तेलुगु फिल्म अभिनेता और राजनीतिज्ञ पवन कल्याण और कई क्रिकेटर्स को भी बुलाया गया है। संभावना है कि इनमें से कई मेहमान उदयपुर के कार्यक्रम में शामिल होंगे, जबकि बाकी लोग हैदराबाद के फंक्शन में शामिल हो सकते हैं।

संभल के मुस्लिम बस्ती में मन्दिर मिलने से लोग अभिभूत

जयपुर @ जागरूक जनता। दंगे के बाद संभल में धीरे धीरे शांति पसर रही है। संभल की खग्गु सराय में मूर्ति और शिवलिंग मिला है।जो सबूत के तौर पर हिंदू धर्मावलंबियों के लिए साक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। संभल की मस्जिद में जांच एजेंसियों पर पत्थर बरसाए गये और पांच व्यक्तियों की मौत के बाद शहर अशांत था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मस्जिदमें सर्वे के दौरान पत्थरों की बारिश की गई। कई पुलिसकर्मियों को चोटें आई थी। स्थानीय लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा था। संभल की मुस्लिम बस्ती में 46 साल के बाद मन्दिर मिलने से खुशी से लोग फुले नही समा रहे है। मन्दिर का जीर्णोद्धार कराने की भी योजना बताई जा रही है।46 साल के पूर्व कौमी दंगे के कारण हिन्दू पलायन कर गए थे।उसी जगह मन्दिर पर अतिक्रमणकारियो में मन्दिर पर मस्जिद का निर्माण कराया। हनुमानजी मन्दिर और शिवलिंग मिलने से भक्तों में खुशी की लहर है। हिन्दू आस्था के अनुरूप देवताओ की मूर्तियां मिलने से संभल में टॉक ऑफ टाउन हो गया है।हनुमानजी और महादेव के भक्त काफी उत्साहित है। आतताइयों के अत्याचार इतिहास के पन्नो में दबकर रह गए है।मन्दिरो और मस्जिदों की लड़ाई में आम आदमी ठगा महसूस कर रहा है। हिन्दू मुस्लिम की आध्यात्मिक लड़ाई में आपस मे खाई परिलक्षित की है। ये दूरियां जख्म के रूप में उभर रही है।भाईचारे में उदासी की लालिमा छाई है।मस्जिदों में दबे मन्दिरो को ढूंढने के इस रिवाज से धर्मावलंबियों में दूरियां बरकरार है। मुस्लिम शासकों ने तलवार के दम पर हिन्दू मन्दिरो पर कब्जा किया था ।हिन्दूओ पर अत्याचार एक पहली से कुछ नही था।आज समाज मे शिक्षा का स्तर सुधरा है। समाज मे शिक्षित युवा सच्चाई के पथ पर अग्रसर है। बताया जा रहा है कि मंदिर पांच सौ वर्ष पुराना था।जिसमे सर्वे के दौरान पाया गया है कि 46 वर्ष पूर्व हिन्दू मुस्लिम दंगे भड़के थे।उस समय हिंदुओ ने पलायन कर दिया।मुसलमानों ने हनुमान मंदिर और शिवमन्दिर को

'जयपुर ज्वलैरी शो' 20 से, दमकेंगे रत्न, आभूषण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। 'जयपुर ज्वलैरी शो' का आयोजन 'रूबीज रेयर, रॉयल और रेवर्ड' थीम के साथ जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में 20 से 23 दिसंबर 2024 को होने जा रहा है। जेजेएस दिसंबर शो के रूप में विश्वभर में अपनी खास पहचान बना चुका है, जिसमें शीर्ष जवाहरात कारोबारी अपनी नयी डिजायन और बेहतरीन कारीगरी को प्रदर्शित करते हैं और देश-विदेश के सालाना कलैण्डर में जेजेएस को स्थान दिया जाता है।

जेजेएस चेयरमैन, विमल चंद सुराणा ने कहा कि जेजेएस अपनी पूरी भव्यता के साथ दिसंबर में आयोजित किया जा रहा है। शो को सफल बनाने के लिए जेजेएस टीम पूरे जोश और मेहनत के साथ कार्य में जुटी हुई है। 'द दिसंबर शो' के लिए इस वर्ष एग्जीबिटर्स में उत्सुकता देखने को मिल रही है।

मुख्य अतिथि एवं समारोह का उद्घाटन

जेजेएस मानद सचिव, राजीव जैन के अनुसार गत पिछले वर्षों से जेजेएस के मुख्य अतिथि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के विशिष्ठ शख्सियत होते हैं। इस वर्ष भी जयपुर कन्वेंशन सेंटर में शुरु वार 20 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे जेजेएस का विधिवत उद्घाटन समारोह आयोजित होगा।

1200 से अधिक बूथ्स होंगे

जेजेएस के मानद सचिव, राजीव जैन ने बताया कि वर्ष 2003 में रश्मिकांत दुर्लभजी द्वारा शहर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज में मात्र 67 स्टॉल्स के साथ जेजेएस की शुरूआत की गई थी। जेजेएस वर्ष 2024 में जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 1200 से ज्यादा बूथ्स होंगे। इनमें से 329 बूथ्स जेमस्टोन्स की होंगी, 723 बूथ्स पर ज्वैलरी प्रदर्शित की जायेंगी जबकि 13 पर कॉस्ट्यूम एवं सिल्वर आर्टिकल्स प्रदर्शित होंगे। इसके अतिरिक्त, 58 बूथ्स पर अलाईड मशीनरी के होंगे। राजीव जैन ने कहा कि जेजेएस में इस वर्ष भी ज्वैलरी सैक्शन में लगभग 66 प्रतिशत डिजाइनर बूथ्स हैं, जो जेजेएस को न केवल खूबसूरत बनाएंगेज्बल्कि विजिटर्स को नयेपन का एहसास होगा।

पुराने और नए एग्जीबिटर्स की भागीदारी

राजीव जैन के अनुसार जेजेएस के गत संस्करण की भांति एरिया में समानता होगी। जेजेएस में ना केवल पुराने एग्जीबिटर्स लगातार जुड़े हुए हैं, बल्कि नए एग्जीबिटर्स भी जयपुर के इस ब्रान्ड में भाग लेने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। जेजेएस-2024 में नए एक्जीबीटर्स के साथ- साथ ही कई राष्ट्रीय ब्रांड भी हिस्सा लेंगे। इस बार जेजेएस में 8,000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स और लगभग 50,000 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विजिटर्स शामिल होंगे। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बूथ्स में 10% की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी

जेजेएस-2024 में तीन अंतरराष्ट्रीय एग्जीबिटर्स के भी आएंगे। जिसमें बैंकॉक से एक बूथ और हॉगकॉग से 1 बूथ होगा। इसके अतिरिक्त, जयपुर सहित मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद और अहमदाबाद से भी एग्जिबिटर्स शामिल होंगे।

पिंक क्लब

जेजेएस मानद सचिव, राजीव जैन से बताया कि पिछले वर्ष, जेजेएस 2022 में पिंक सिटी के नाम पर नया एक्सक्लूसिव बी2बी पवेलियन 'पिंक क्लब' जोड़ा गया था, जो तब से जेजेएस में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। इस वर्ष, जेजेएस 2024 में भी पिंक क्लब नए स्थान पर होगा और यह ज्यादा स्पेस के साथ हॉल 2 का हिस्सा होगा। पिंक क्लब में 98 प्री-फैब्रिकेटेड बूथ्स होंगे और केवल बी2बी ग्राहक ही इस पवेलियन में जा सकते हैं। इस पवेलियन में एक विशेष लाउंज और कॉम्पलीमेंट्री चाय/कॉफी और मुफ्त वाई-फाई भी होगा।

जीजेसी के 50 से अधिक सदस्य भाग लेंगे

विजय चौरड़िया के अनुसार ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को शो के लिए जेजेएस द्वारा आमंत्रित किया गया। जीजेसी पूरे भारत में र% और आभूषण के व्यापार का विकास और प्रचार के लिए नेशनल ट्रेड फेडरेशन है। देश के 50 से अधिक शीर्ष ज्वैलरी रीटेलर्स इस शानदार कार्यऋ म में शिरकत करेंगे। उन्हें शो में बड़ी संख्या में बूथों से आइटम्स चुनने का अवसर भी मिलेगा। उनकी उपस्थिति प्रदर्शकों को जैम एंड ज्वैलरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञों से चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करेगी। जोनल कन्वीनर्स मीटिंग की बैठक में 50 से अधिक जीजेसी-ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल मेम्बर्स भाग लेंगे।

वुमन अचीवर्स का सम्मान

डॉ नवल अग्रवाल ने बताया कि जेजेएस में इस वर्ष वुमन अचीवर्स का सम्मान भी किया जाएगा। जिसके लिए काफी विचार-विमर्श करने के बाद 5 महिलाओं का चयन किया गया। जिन्हें जेजेएस के मंच पर सम्मानित किया जाएगा।

समाजसेवी शख्सियत डॉ. अरुण अग्रवाल से जागरूक जनता की खास बातचीत

ईमानदारी और लगन है तो युवाओं के कदमों में होगी सफलता

शिव दयाल मिश्रा
jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के शेखावाटी भूमि ने पूरी दुनिया को बड़े-बड़े उद्योगपति दिए हैं, जिनमें स्टीलमैन लक्ष्मी मित्तल, बिड़ला और कितने ही नामी-गिरामी शामिल हैं। शेखावाटी का लाल जहां भी जाता है अपने झंडे गाड़ देता है। हमारे देश के पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक प्रत्येक कोने में शेखावाटी के उद्योगपति देश और समाज के विकास में लगे हुए हैं। ऐसी ही एक शख्सियत है डॉ. अरुण अग्रवाल जिनका जन्म झुंझुनूं जिले के टीबाबसई के रहने वाले समाजसेवी श्याम सुन्दर अग्रवाल के घर में 24 अगस्त 1992 को कोलकाता में हुआ। जिस समय डॉ. अरुण अग्रवाल का जन्म हुआ उस समय श्यामसुन्दर अग्रवाल का नाम कोलकाता के विख्यात समाजसेवियों में शामिल था। हम अगर शिक्षा की बात करें तो अरुण अग्रवाल ने 1983 में सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता से बी.काम (आनर्स) की डिग्री प्राप्त की, 1985 में एम.काम व 1986 में एलएलबी की उपाधि ग्रहण की। 1987 में एएमएक्सए (यूके) से एक्सपोर्ट मैनेजमेंट का डिप्लोमा हासिल किया। अपनी तीव्र बुद्धि धनी डॉ. अरुण यहीं नहीं रुके, उन्होंने 2022 में थियोफनी यूनिवर्सिटी हेती (यूनाइटेड नेशन) द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी (होनोरिज कौसा), पीएच.डी. गोल्ड मैड के साथ हासिल की है। ये अपनी कार्य कुशलता और जुझारूपन के चलते विभिन्न संस्थाओं से जुड़े और वहां सफलता पूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। डॉ. अरुण अग्रवाल को सामाजिक कार्य, कर्तव्य एवं जनसेवा विरासत में नसीब हुई। हंसमुख और मिलनसार डॉ. अरुण अग्रवाल से इनके अंबाबाड़ी स्थित निवास पर एक छोटी सी मुलाकात हुई। उस मुलाकात में इन्होंने अपने जीवन के बहुत से संस्मरण और घटनाएं सुनाई। इन्होंने बताया कि मैं 1981-82 से अपने पैतृक व्यवसाय नमक, पशु आहार व सोया न्यूट्रीनगेट्स में व्यावहारिक ज्ञान अर्जित कर उत्पादन एवं व्यवसाय में पारंगत होकर 1987 में कोलकाता से जयपुर आ गया। यहां जैतपुरा औद्योगिक क्षेत्र में श्री श्याम फोडर इंडस्ट्रीज की मयूर पशु आहार उत्पादन के लिए स्थापना की। अपनी लगन के दम पर उन्होंने जैतपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया के उद्यमियों एवं उद्योग में आने वाली समस्याओं का निराकरण कराया। अग्रवाल का जीवन मानों जनसेवा के लिए ही हुआ हो। इन्होंने 1992 में जैतपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य, 1993 में उपाध्यक्ष व 1994 में कार्यकारी

अध्यक्ष एवं 1995 में एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर चुने गए, जो 1999 तक लगातार इस पद पर बने रहे। उन्हें एसोसिएशन का सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 1999 में विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में केशव इंडस्ट्रीज में 'मयंक पशु आहार' का उत्पादन प्रारंभ किया। सन् 2000 में इन्होंने विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चुनाव में भारी जीत हासिल कर संयुक्त सचिव का पद संभाला। डॉ. अरुण फैडेरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इंडस्ट्रीज के कार्यकारी अध्यक्ष, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के मानद् महासचिव व प्रवक्ता, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजस्थान अफोर्डेबल हाऊसिंग डवलपर्स एसोसिएशन के सलाहकार, ऑल राजस्थान दुकानदार महासंघ के संरक्षक हैं। इनकी कार्यकुशलता को देखते हुए राजस्थान सरकार ने भी 6 अगस्त 2002 को एक आदेश जारी कर विद्युत संबंधित अभाव अभियोग एवं जन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकार प्राप्त समिति में गैर सरकारी सदस्य के रूप में मनोनीत किया। इनके कार्य और दायित्वों की बड़ी लंबी सूची है जिन्हें इन्होंने बड़े ही जिम्मेदारियों के साथ निभाया। इन्हें अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ने 'राष्ट्रीय पुरस्कार' बैंक ऑफ इंडिया के शताब्दी वर्ष में 'सृष्टि मित्र', राजस्थान युवा संस्था ने 23 फरवरी 2014 को 'विवेकानंद गौरव सम्मान-2014', मानद अलंकरण व समर्पण संस्था ने 17 जुलाई 2016 को 'समर्पण समाज गौरव-2016' की उपाधि, 7 सितम्बर 2019 को इंडो-नेपाल समरसता आर्गेनाइजेशन द्वारा सहमित्र सांस्कृतिक अभिनन्दन पत्र, अन्तरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा 2023 में राजस्थान समरसता रत्न अवार्ड देकर सम्मानित किया। इनके जीवन में कुछ ऐसा भी घटित हुआ जिसके बाद इनके जीवन में उस समय बड़ा बदलाव आ गया जब सन् 2000 में गुजरात एक भूकम्प त्रासदी से गुजरा था। उस समय इनके करोड़ों रुपए का व्यापार था, जो उस भूकम्प त्रासदी की भेंट चढ़ गया था। उसके कुछ समय बाद फिर से संभल गए। मगर, उसके बाद से इन्होंने अपना अधिकांश समय समाजसेवा के लिए ही समर्पित कर दिया है। डॉ. अग्रवाल अपनी पत्नी और बच्चों के सात आनन्दमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। एक बेटा केशव है जो दुबई में सैटल है और एक बेटी डॉ.राधिका (फूडीदेवी) जो कि विख्यात ब्लॉगर एवं सोशल कंटेंट राइटर हैं। मुलाकात के अंत में इन्होंने कहा कि अगर युवा लगन और ईमानदारी से कार्य करेंगे तो उनकी सफलता को कोई रोक नहीं सकता।

धारासर संस्थापक रामजी जाखड़ का मूर्ति अनावरण समारोह संपन्न

रामजी जाखड़ के आदर्शों पर चले-हरीश चौधरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। चौधरी रामजी जाखड़ की मूर्ति का अनावरण धारासर चौहटन में संपन्न हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता डालू जाखड़ ने बताया कि इस अवसर पर महंत जगरामपुरी महाराज, मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पाली बद्रीराम जाखड़, विशिष्ट अतिथि सांसद उम्मेदाराम बेनिवाल, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी, कद्दावर नेता एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी,पीसीसी सचिव लक्ष्मणसिंह गोदारा, चौहटन प्रधान रुपाराम सारण सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे। इस अवसर पर बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि रामजी जाखड़ के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और उनके बताए मार्ग पर चले। इस अवसर पर पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ ने कहा कि रामजी जाखड़ छतीस कौम किसानों के लिए जागीरदार प्रथा के खिलाफ लड़ें और उनका हक दिलाया, उन्होंने कहा कि रामजी जाखड़ की मूर्ति लगाकर गांव वालों ने आज हमारा सपना पूरा किया। सांसद उम्मेदाराम बेनिवाल ने कहा कि रामजी जाखड़ महान व्यक्तित्व थे उनके बताए मार्ग पर चलना आज के समय में बहुत जरूरी है। इस अवसर पर युथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेंद्र कड़वासरा,भजन गायिका विमला जाखड़, बेरीवाला तला सरपंच खरथाराम चौधरी,भणियाणा सरपंच राजेंद्र जाखड़, सरपंच अमराराम जाखड़, सरपंच नेनूराम बेनिवाल,बार एसोसिएशन बाड़मेर सचिव मेघाराम जाखड़, ठेकेदार केशाराम जाखड़, वरिष्ठ पटवारी आईदानराम जाखड़, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रायचंद खागट, मोहनलाल हुड्डा, ब्लाक कांग्रेस ग्रामीण बाड़मेर अध्यक्ष देवाराम साजटा, शिक्षक नेता बांकाराम साजटा, शिक्षक नेता गुमनाराम जाखड़, सीआई दिल्ली पुलिस पीराराम जाखड़, गोल्ड मेडलिस्ट तेजाराम, अरविंद जाखड़ सहित ग्रामीण मौजूद रहे। संचालन रमेश मिर्धा एवं तिलोक सऊ ने किया।

प्रदेश व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन

संगठन सुख दुःख में व्यापारी के साथ खड़ा है-सोमानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल राजस्थान के द्वारा प्रदेश व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन (रविवार) दिनांक 15 दिसंबर 2024 को राजस्थान राजस्थान चैंबर भवन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रविकांत गर्ग चेयरमैन (उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड) व राष्ट्रीय अध्यक्ष (भारतीय उद्योग व्यापार मंडल), डॉक्टर अरुण अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (भारतीय उद्योग व्यापार मंडल) जगदीश सोमानी प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (राजस्थान), डॉ के एल जैन, (अध्यक्ष राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स), अजय विजयवर्गी (प्रदेश संयोजक भाजपा आई टी सेल), जितेंद्र गोयल प्रदेश महामंत्री (भारतीय उद्योग व्यापार मंडल), अमित परनामी, प्रदेश मीडिया प्रभारी (भारतीय उद्योग व्यापार मंडल), अर्पण गोधा, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग, यूथ उज्जवल शर्मा, अध्यक्ष जीएसटी, अरविंद सिंधावा, अध्यक्ष, अक्षय ऊर्जा, डॉ विभोर गुप्ता, अध्यक्ष मेडिकल विंग, केसर सिंह राठौड़, अध्यक्ष खाद्य पदार्थ, राजीव अहूजा, जिला अध्यक्ष जयपुर एवं समस्त प्रदेश कार्यकारिणी भारतीय उद्योग व्यापार मंडल राजस्थान के सदस्य उपस्थित होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि कांत गर्ग ने देश की सभी व्यापारी संगठनों को व्यापारी हित के लिए एक मंच पर आने का आह्वान किया। गर्ग ने सरकार से किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज़ पर व्यापारिक क्रेडिट कार्ड शुरू करने की मांग की, गर्ग ने कहा सेंटर द्वारा व्यापारी पेंशन योजना को पूरे देश मे लागू करने की जरूरत हॉलाकि इसमे मिलने वाली राशि बहुत कम है जिसे बढ़ाने की आवश्यक है।

जगदीश सोमानी, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की साथ ही संवाद कार्यक्रम में पधारे हुये सभी अतिथि का स्वागत किया। साथ ही राजस्थान के व्यापरियों को विश्वास दिलाया कि संगठन सुख दुःख मे व्यापारी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि MSME गारंटी योजना में और अधिक सेक्टर को जोड़ने की जरूरत है जीएसटी में भी एग्रीकल्चर और कयी सेक्टर me सुधार की आवश्यकता है।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ अरुण अग्रवाल द्वारा नवीनतम टीडीएस परिवर्तनों और उनके निहतार्थों का विश्लेषण किया गया। डॉ अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश की तर्ज़ पर सोलर पर सब्सिडी देने की बात कही उन्होंने कहा कि rising rajsthan से निश्चित रूप से राजस्थान के व्यापारी जगत को फायदा मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन संगठन के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोयल ने किया।

प्रदेश व्यापारिक सम्मेलन में उद्योगों से संबंधित समस्याओं एवं उनके सुझाव पर विचार विमर्श किया गया। व्यापारिक सम्मेलन में समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य तथा उद्योगपतिगण उपस्थित रहें।

तबले पर थाप थमीं पर, बादशाहत कई युगों तक रहेगी कायम

अलविदा उस्ताद जाकिर हुसैन

जयपुर @ जागरूक जनता। देश-दुनिया के कला जगत में आज खामोशी छाई है। सबका चेहेता चेहरा उस्ताद जाकिर हुसैन और उनका तबला खामोश हो गया। इतना ही नहीं तबले पर ट्रेन की आवाज, भगवान शंकर के डमरू की आवाज, उमड़ते-घुमड़ते बादलों की गर्जना की गूंज अब सुनाई नहीं देगी। तबला साज के इस शहंशाह की सादगी भी बेमिसाल रही। पदमश्री, पद्मभूषण, पद्म विभूषण समेत तीन बार ग्रैमी अवॉर्ड विनर रहे उस्ताद जाकिर हुसैन की तबले पर उनकी अंगुलियों की जादुई थाप का हर कोई मुरीद रहा। गुलाबी शहर जयपुर में उनकी कई परफोर्मेंस यादगार रहीं। चाहे बिड़ला सभागार हो या सेंट्रलपार्क उन्हें सुनने व देखने के लिए बड़ी तादाद में संगीत के दीवाने जुट जाया करते थे। यहां सेंट्रलपार्क में संतूर के शहंशाह रहे पं.शिवकुमार शर्मा का कॉन्सर्ट था। उसमें तबले पर उस्ताद जाकिर हुसैन थे। संतूर साज पर राग की आलापचारी के दौरान माहौल काफी चुप था। जब उस्ताद जाकिर हुसैन ने तबले पर एक अंगुली लगाई तो समूचा माहौल दानिशमंद श्रोताओं की तालियां से गूंज उठा। तब आला फनकार जाकिर हुसैन ने बोला खास कलाकार तो पं.शिवकुमार शर्मा हैं, मैं तो उनकी संगत कर रहा हूं। यही सादगी और कला की इबादत इस मकबूल फनकार की जिन्दगी के आखिर पड़ाव तक बनी रही। उन्हें तहे दिल से शुक्रिया बोलता था तो मुस्कुराकर कहते थे जनाब! तहे अल्फाज मत इस्तेमाल कीजिए, ऐसा लगता कोई तहखाने की बात कर रहा हो। हालांकि तबला साज पर उनकी थाप जरूर थम गई हों पर, उनकी बादशाहत कई युगों तक कायम रहेगी।

छोटी गलती भी बर्दाश्त नहीं करते थे-हमीद खान कावा

किस्से तो बहुत हैं और उनकी यादें भी बहुत हैं। पर, जयपुर के कई कलाकारों से उनका दिली रिश्ता रहा। इनमें कावा ब्रास बैंड के डायरेक्टर हमीद खान कावा उनके चेहते तबला नवाज रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन के यूं अचानक दुनिया से रुखसत हो जाने से हमीद खान कावा बेहद दुःखी हैं। वे कहते हैं कि जाकिर हुसैन उनके रहबर थे। उन्होंने बताया कि उनके आमेर स्थित उनके घर पर जाकिर हुसैन का काफी आना जाना रहा। वे चाय भी खुद बनाया करते थे और साथ में उस्ताद के बजाए अरे हुजूर वाह! चाय बोलिए... कहते थे। हमीद खान ने बताया कि जाकिर हुसैन की दो बेटियां हैं। एक बेटी की शादी में खुद हमीद खान के निर्देशन में कावा ब्रास बैंड वादन हुआ था। उन्होंने बताया कि वे इतने सुरीले थे कि संगीत में छोटी गलती भी बर्दाश्त नहीं करते थे। इसलिए कावा ब्रास बैंड की प्रस्तुति पर वे काफी खुश नजर आए।

झोपड़ी में चलता है राजकीय प्राथमिक विद्यालय, कई साल से हो रहा संचालन, न पानी और न बिजली, जिम्मेदार उदासीन

वन क्षेत्र में जमीन आने से भवन निर्माण कि स्वीकृति का लम्बे समय से है इंतजार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। राज्य और प्रदेश कि सरकारों द्वारा शिक्षा को लेकर बड़े बड़े दावे तो खूब किये जाते है, परन्तु जब उन दावो कि जमीनी स्तर और जांच पड़ताल की जाती है तो कई गंभीर सवाल खड़े होते है। चाहे सरकार कांग्रेस कि रहीं हो या भाजपा कि दोनों पार्टियों के नेताओं से जनता यह जानना चाहती है, आखिर उनके यह बच्चे खुले में कब तक पढ़ेंगे और इसका जिम्मेदार फिर कौन? जबकि नेताओ शिलान्यास करके वाहवाही लूट चुके है। परन्तु अभीतक स्कूल का भवन तक नहीं बना। आज भी इस कड़ाके कि ठंड में बच्चे बाहर झोपडी में बैठकर पढ़ने को मजबूर है। क्या यही है सरकारों कि गुड गवर्नेंस की नीति। फिर देश शिक्षा के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ेगा यह भी गंभीर चिंतन का विषय है। क्या पूरे मसले पर जिम्मेदार सरकारी कारिंदे व सफ़ेद पोश नेता गंभीरता दिखाकर इस समस्या के निदान हेतु संज्ञान लेगे। यह भी बड़ा सवाल है।

यह है पूरा मामला

सिरोही जिला मुख्यालय से करीब तीस किलोमीटर दूर स्थित तेलपीखेड़ा गांव की सिमती खेड़ा फली में करीब ढाई वर्ष वर्ष पूर्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन स्वीकृत कर उसका संचालन शुरू कर दिया गया। जिसका शिलान्यास पूर्व कि सरकार के कई नेताओं द्वारा किया गया था परन्तु अभीतक भवन का निर्माण नहीं हुआ। वजह रास्ते को लेकर वन विभाग स्तर पर कोई सक्षम स्वीकृति नहीं मिलने से अभी तक कार्य शुरू नहीं हो पाया। दरअसल यह गाँव मौजूदा सिरोही जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी के निवासी स्थान से 15 किलोमीटर दूर है और उनके ग्राम पंचायत क्षेत्र का हिस्सा है। विद्यालय में एक से पांचवीं तक कक्षाओं का संचालन हो रहा है। यहां वर्तमान में करीब 40 छात्र छात्राएं नामांकित है जो पढ़ाई कर रहें है। इनसे बड़ी उम्र के बच्चे कृष्णगंज या ईसरा जंगलों का सफ़र तय कर आगे पढ़ने के लिए जाते है। बाकि बच्चे यहां पढ़ रहें है।

क्या कहते है स्कूल के शिक्षक

यहां के स्थानीय विद्यालय शिक्षक जेठाराम चौधरी ने बताया कि विद्यालय का भौतिक संसाधन और भवन की बड़े लंबे समय से समस्या है। यहां शिक्षण के लिए दो शिक्षक कार्यरत है। पहले पेड़ों की छांव के नीचे पढ़ाते थे अब, अब झोपडे में शिक्षण कार्य करवा रहें है। विद्यालय का संचालन चार वर्ष पूर्व शुरू कर दिया गया। पहले तो यहां कार्यरत दो शिक्षक पेड़ों की छांव और एक समाजसेवी द्वारा दिए कमरे में अध्ययन करवाते थे, बाद में समाजसेवी के परिवार बढ़ने के कारण विद्यालय को वह कमरा भी खाली करना पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से एक कच्चा झोपडा बनाया गया। अब सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को एक साथ इस झोपडे में बिठाकर पिछले दो वर्ष से अध्ययन करवाया जा रहा है।

नहीं है पानी-बिजली की सुविधा

विद्यालय में पानी, बिजली की कोई सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को घर से बोतलों में पानी लाना पड़ता है। बिजली की कोई व्यवस्था नहीं होने से भीषण गर्मी में बेहाल हो जाता है। वही अब कड़ाके कि ठंड में बच्चे को झोपडी में बढ़ाना भी काफ़ी दिक्क़त भरा साबित हों रहा है।

बारिश में छुट्टी, जंगली जानवरों का बना रहता है डर

आबू पर्वत की पहाड़ों से सटे इस स्थान पर मौसम में बदलाव के कारण कभी बारिश होती है तो स्कूल की छुट्टी करनी पड़ती है। तो कभी तेज आंधी के दौरान झोंपडे के गिरने या बिखरने से हादसे की भी आशंका बनी रहती है। शिक्षक ने बताया कि यहां सुबह सुबह वर्तमान में कई बार बर्फ जमाने वाली ठंड भी पड़ती है। ऐसे में बच्चों के बीमार होने का खतरा बना रहता है वहीं वन क्षेत्र होने से जंगली जानवर भालू, तेंदुआ, लोमड़ी समेत कई जंगली जानवरों का डर हमेशा बना रहता है। बीते दिनों कई बार भालुओं ने आस पास के क्षेत्र में इंसानों पर हमला भी किया है। ऐसे में खुली जगह जंगल में पढ़ाना असुरक्षा का माहौल पैदा करता है।

क्या कहते है ग्रामीण

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि महीने भर पहले विद्यालय से कुछ बच्चे पानी पीने के लिए सिमती फली आए जहां तीन बच्चों पर कुत्तों ने हमला कर दिया था। अभी वह बच्चे डरे हुए है और विद्यालय जाने से कतराते है। बताया कि अगर विद्यालय में पानी की सुविधा होती तो उन्हें पानी पीने स्कूल छोड़कर जाना नहीं पड़ता। कई बार स्थानीय विधायक, सांसद, सरपंच को इन सब समस्या से अवगत कराया लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हो सका। आज भी हालत नहीं बदली है।

क्या कहते है जिम्मेदार अधिकारी

सिरोही रमसा के AEN रघुनाथ रावल नें बताया कि हमने तों भवन बनाने के लिये टेंडर करके समस्त कार्य पूर्ण कर दिये है, वन विभाग कि स्वीकृति का हमें इंतजार है। उसके बाद भवन निर्माण कार्य शुरू कर देंगे। ज़ब पूरे मामले पर माउंट आबू DFO नन्दलाल प्रजापत का पक्ष जाना तों उन्होंने कहा कि मुझे आज ही रमसा से पत्र मिला है, जिसमें सक्षम अनुमति मांगी गई है।आवश्यक पत्रावली पूर्ण करके जल्द नियमानुसार आगे कि कार्यवाही करके फाइल कलेक्टर को पेश कर दी जायेगी। जल्द स्वीकृति प्रदान हों उसको लेकर आवश्यक कार्रवाई कि जा रहीं है। वही अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा अधिकारी कांतिलाल आर्य नें बताया कि उक्त भूमि वन विभाग में आती है इसलिए उनसे स्वीकृति लेने हेतु हमने कई बार वन विभाग को पत्र लिखें है जल्द इस कार्य को करवाने को लेकर में स्वयं DFO से मिलकर पूरी कागजी कार्यवाही पूरी करता हूँ। मैंने अभी अभी पद भार संभाला है इसलिए विषय मेरे ध्यान में अभी आया है।

जागरूक खबरें

■ राज्यपाल ने सांवरिया सेठ के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े चित्तौड़गढ़ के सांवरिया सेठ मंदिर पहुँचे। उन्होंने वहाँ श्री सांवरिया सेठ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने सांवरिया सेठ से प्रदेश की सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की।

■ जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरुवार को

जैसलमेर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए की गई त्रिस्तरीय व्यवस्था के तहत जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन तृतीय गुरुवार, 19 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के सभागार में आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर पवन कुमार ने बताया कि जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान जिला कलक्टर प्रताप सिंह आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई करेंगे एवं मौके पर ही संबंधित विभाग से निस्तारण करवाएंगे।

■ रोगियों को फल वितरण कर मनाया मंत्री गौतम दक का जन्मदिन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार के सहकारिता और नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम दक के जन्मदिन पर भाजपा जिला ओबीसी मोर्चा द्वारा श्री सांवलियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में फल वितरण कर मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की मंगलकामनाएं की गई। जिलाध्यक्ष गोटू लाल सुथार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में श्रवण सिंह राव, कमलेश पुरोहित, हर्षवर्धन सिंह रुद, प्रधान देवेंद्र कंवर, सुधीर जैन, रघु शर्मा, सी पी नामधराणी, संजू लड्ढा, वीणा दशोरा, सागर सोनी, गौरव त्यागी, चंद्रशेखर सोनी, नंदकिशोर लोहार, ओमप्रकाश योगी, घनश्याम लोठ, लोकेश त्रिपाठी, अशोक पालीवाल उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागड़े से कुलपति कर्नाटक ने की भेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने रविवार सुबह उदयपुर एयरपोर्ट पर राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ बागड़े से शिष्टाचार मुलाकात की। कुलपति ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर एमपीयूएटी में जारी शोध, कृषि विस्तार एवं स्मार्ट विलेज में किये गये कार्यों के अलावा पेटेंट अनुसंधानों आदि की जानकारी दी। साथ ही उन्हे आगमी 21 दिसम्बर, 2024 को एमपीयूएटी में होने वाले 18 वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षता के लिए आंमत्रित किया और आग्रह किया कि अपने उद्बोधन द्वारा विधार्थीयो, शिक्षको एवं कर्मचारीयो को आशिर्वचन प्रदान कर अनुग्रहीत करे। इस समय राज्यपाल अपने उदयपुर एवं राजसमन्द जिले के दौरे पर है, आज राज्यपाल राजसमन्द के ग्राम पंचायत पिपलांत्री में कृषि में हो रहे नवाचारो एवं कार्यों का अवलोकन कर किसानों को संबोधित करेगे।

मात्स्यिकी महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी, मुख्यमंत्री कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

उदयपुर @ जागरूक जनता। एमपीयुएटी के संघटक मात्स्यिकी महाविद्यालय के विद्यार्थी दल और कॉलेज ऑफ़ फिशरीज उदयपुर एलुमनाई एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से सोमवार को राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय में मुलाकात की और महाविद्यालय में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक पदों की रिक्तियों को भरने की माँग को लेकर ज्ञापन सौंपा। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में मात्स्यिकी महाविद्यालय की स्थापना के 15 वर्ष बाद भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम संकाय मानदंडों के अनुसार महाविद्यालय को चलाने के लिए आवश्यक पर्याप्त टिचिंग एवं नॉन टिचिंग के पदों का अभाव है। महाविद्यालय में वर्तमान में मात्र दो पूर्णकालिक प्राध्यापक रह गए है क्योंकि रिटायर होने वाले प्राध्यापकों की संख्या ज्यादा है, शेष अध्यापन कार्य अतिथि शिक्षकों द्वारा पूरा किया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि इससे पहले भी वे राज्य सरकार के अधिकारियों से इस मुद्दे पर मिल चुके हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही दिए गए हैं।

अटल भू-जल योजना अंतर्गत कठपुतली कार्यक्रम का आयोजन

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अटल भू-जल योजना के अन्तर्गत चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति कि घटियावली, शंभुपुरा, जालमपुरा एवं सेमलपुरा ग्राम पंचायतों में कठपुतली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कठपुतली कार्यकम के जरिए जन सहभागिता से भू-जल प्रबंधन एवं भू-जल संरक्षण करने कि जानकारी दी गई। कठपुतली कार्यक्रम में आए हुए कलाकारो ने सभी ग्रामीणो का मंनोरजन करते हुए जल संरक्षण करने के लिए जागरूक किया। कठपुतली कार्यकम खेल-खेल में जल संरक्षण करने के बारे में जानकारी दी पानी का महत्व समझाते हुए जल संरक्षण करने पर जोर दिया पानी को संचित करने के उपाय बताएं। ग्रामीण जनो ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। कठपुतली कार्यक्रम में डी.पी.एम.यु. के आईईसी विशेषज्ञ हरिशंकर शर्मा द्वारा ग्रामीणजनो को अटल भू-जल योजना के लक्ष्यों व उद्देश्यों कि जानकारी प्रदान की गई। कृषि एवं घरेलु कार्यों में जल बचत करने के विभिन्न पहलुओं के बारे में चर्चा कि गई। कृषि विशेषज्ञ दिपेश मोहन शर्मा द्वारा कृषि में जल बचत हेतु ड्रिप एवं फव्वारा प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डी.पी.एम.यु. अटल भू-जल योजना से सुनिल कुमार, राधेश्याम गुर्जर, प्रमोद उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

अध्यापक की प्रतिनियुक्ति निरस्त करवाने को लेकर धरना आज

जागरूक जनता@ गुड़ामालानी

क्षेत्र के ग्राम पंचायत रोली के अधिन राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय देवाणी भोमाणी कुम्हारों की ढाणी में नियुक्त अध्यापक लेवल प्रथम जुजाराम खियालिया का मुख्य ब्लाक शिक्षाधिकारी गुड़ामालानी के द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुजाबेरी पीपराली करने को लेकर अभिभावकों का विद्यालय के सोमवार को धरना रखा गया। विद्यालय के एस एम सी अध्यक्ष कुम्भाराम ई प्रजापत व केसाराम प्रजापत,लिखमीदास , संयोजक कुम्भाराम एम प्रजापत ने बताया कि अध्यापक की प्रतिनियुक्ति करने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।अभी परीक्षा का भी समय चल रहा है।और उन्होंने बताया कि जब तक प्रतिनियुक्ति निरस्त नहीं होती जब बच्चों को विद्यालय नहीं भेजा जाएगा।

आईएफए पेरिस के वैज्ञानिकों ने की डॉ. कर्नाटक से विशेष चर्चा

एमपीयूएटी 5 गांवों को गोद लेकर बनाए स्मार्ट विलेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर का विदेशी वैज्ञानिकों लॉरा मिशेल क्रॉस, निदेशक, इंटरनेशनल फर्टिलाइजर एसोसिएशन (आईएफए) एवं एटिने एकर्ड, एग्रोनोमिस्ट इंजीनियर/डेटा एनालिसिस/मार्केट इंटेलिजेंस, आईएफए, पेरिस ने दौरा किया। पेरिस से आये वैज्ञानिकों ने कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक से बातचीत की व कृषि शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ. कर्नाटक ने बातचीत के दौरान बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन 7 महाविद्यालय, 2 क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, 2 उप क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, 1 बारानी अनुसंधान केन्द्र और 8 कृषि विज्ञान केन्द्र दक्षिणी राजस्थान को कृषि क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्यपाल की 'स्मार्ट विलेज इनीशिएटिव' योजनान्तर्गत राजस्थान के सभी राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में एमपीयूएटी वर्षो से प्रथम स्थान पर है। इसी क्रम में अब विश्वविद्यालय 5 गॉवों को गोद लेकर स्मार्ट विलेज बनाने को तत्पर है। डॉ. विनोद सहारण ने विदेशी वैज्ञानिकों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर नैनो उर्वरकों के प्रदर्शनो का अवलोकन करवाया, साथ ही नैनो फर्टिलाइजर, चिटोसन पॉलिमर, बायोस्टिमुलेंट पर किए गए काम के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ आरएच मीना, मृदा वैज्ञानिक, इफको के अध्यक्ष, डॉ. एपी सिंह, एसएम (एएस), इफको, जयपुर, नवीन कुमार सैन, एफआर (एएस), इफको, नई दिल्ली, मुकेश अमेठा, डीएफएम, इफको चित्तौड़गढ़, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, शोधकर्ता एवं छात्र शामिल थे। आरम्भ में डॉ. एपी सिंह ने अतिथियों का परिचय कराया और यात्रा के उद्देश्य के बारे में बताया।

104वें दीक्षांत समारोह में आयुर्वेद विवि के कुलपति प्रो. प्रजापति का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित 104वें दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वतंत्रता भवन में आयोजित इस समारोह में बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर जैन और मुख्य अतिथि आइआइटी बीएचयू के पूर्व छात्र और अमेरिका में जाने माने उद्योगपति व जेड स्केलर के सीईओ जय चौधरी भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान प्रो. प्रजापति ने मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए और अपने विचार साझा करते हुए कहा, "आपका भविष्य आपके हाथों में है। जीवन उतार-चढ़ाव से भरा हुआ है, लेकिन सफलता वही पाता है जो आत्मविश्वास और मेहनत के साथ आगे बढ़ता है।" उन्होंने विद्यार्थियों को धन के पीछे न भागने और शिक्षा का उपयोग समाज की भलाई के लिए करने की प्रेरणा दी। इस भव्य समारोह में छात्रों को 34 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिसमें छात्राओं को 23 पदक प्राप्त हुए। बीएचयू के विभिन्न संकायों में हजारों विद्यार्थियों को डिग्रियां भी प्रदान की गईं। इस दौरान मंच पर बीएचयू के कुलपति और अन्य मेहमानों ने भी मेधावियों को सम्मानित किया।

राइफल व पिस्टल निशानेबाजी में जिले के 12 खिलाड़ी

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भोपाल व दिल्ली में शुरू हो रही राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में जिले के 12 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। चैलेंजर शूटिंग रेंज संचालक व कोच चन्द्रगुप्त व जन्मजयपुरी गोस्वामी ने बताया कि पिछले दिनों गोवा, केरल, भोपाल व दिल्ली में हुई प्री नेशनल टूर्नामेंट में पिस्टल इवेंट में गोविंद सिंह भाटी, राइफल इवेंट में ध्रुविशा चौधरी, शैलजापुरी गोस्वामी, साक्षी चौहान, मिशिका चूंडावत, ओमीषा मोहनपुरिया, कर्तव्यराज सिंह राठौड़, विद्यांश गोस्वामी, रुद्रप्रताप चुंडावत, अधिराजसिंह राठौड़, रुद्रमन व्यास, सोमदेव चौधरी आदि रेंज के 12 खिलाड़ियों ने नेशनल के लिए क्वालिफाई किया। चित्तौड़गढ़ से पहली बार 12 खिलाड़ियों का एक साथ नेशनल के लिए चयन होने पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया।

शिल्प और स्थापत्य कला से अभिभूत हुए राज्यपाल थावरचंद गहलोत

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने दुर्ग का भ्रमण कर यहां के ऐतिहासिक महत्व को सराहा। गोल्फ कार्ट में दुर्ग भ्रमण के दौरान राज्यपाल यहां की स्थापत्य और शिल्पकला से अभिभूत नजर आए, जिन्होंने विस्तार से विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों से संबंधी जानकारी ली। त्याग और शौर्य के प्रतीक विजय स्तंभ को तकनीक का अद्भुत उदाहरण बताया। कुम्भा महल के भ्रमण के दौरान राज्यपाल गहलोत ने दुर्ग में निवासरत लोगों के बारे में भी जानकारी ली। राज्यपाल गहलोत ने दुर्ग पर फतहप्रकाश, कुंभ श्याम मंदिर, पद्मिनी महल का भी भ्रमण कर कालिका माता मंदिर में सपरिवार दर्शन किए। दुर्ग संबंधी विभिन्न तथ्यों की जानकारी स्थानीय गाइड ने दी। राज्यपाल ने पर्यटकों के आग्रह पर सहजता से उनके साथ फोटो खिंचवाएं। दुर्ग फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से राज्यपाल गहलोत को दुर्ग भ्रमण का फोटो देकर एवं उपरणा पहनाकर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान राज्यपाल के एडीसी संदीप शर्मा, ओएसडी शंकर गुर्जर एवं योगेश उपाध्याय साथ रहे। चित्तौड़गढ़ प्रवास के बाद राज्यपाल सीधे प्रतापगढ़ के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व प्रोटोकॉल ऑफिसर रावतभाटा एडीएम विनोद मल्होत्रा ने दुर्ग पर राज्यपाल का व्यू पॉइंट पर गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

हिन्दुस्तान जिंकः 0.8 मिलियन गीगाजूल ऊर्जा से एक वर्ष में 70 हजार से अधिक घरों को बिजली मिल सकती है

मात्र 1 वर्ष में 0.8 मिलियन गीगाजूल से अधिक ऊर्जा बचत की

कंपनी ने अपने मौजूदा 450 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी वितरण एग्रीमेंट को 530 मेगावाट तक विस्तारित करने की भी घोषणा की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में 0.8 मिलियन गीगाजूल से अधिक की संचयी ऊर्जा बचत की घोषणा की। बचत की यह मात्रा पूरे वर्ष में लगभग 70,000 से अधिक भारतीय घरों को बिजली दे सकती है। कंपनी ने पिछली बोर्ड बैठक में अनुमोदन के बाद अपने अक्षय ऊर्जा वितरण समझौते को 530 मेगावाट तक विस्तारित करने की भी घोषणा की क्षमता में पहले से हस्ताक्षरित पीडीए शामिल हैं। इससे 2026 तक कुल बिजली आवश्यकता में समग्र अक्षय ऊर्जा योगदान 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। हिन्दुस्तान ज़िंक ने पहले ही 450 मेगावाट चैबीसों घंटे अक्षय ऊर्जा के स्रोत के लिए बिजली वितरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।रेस्पोन्सिबल और सस्टेनेबल मेन्यूफैक्चरिंग के हिंदुस्तान जिंक के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी अपने कैप्टिव पावर प्लांट्स में सभी टर्बाइनों के पुनरुद्धार, सेलहाउस दक्षता में सुधार, संचालन में वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव की स्थापना, हाई-स्पीड डीजल से पाइप्ड प्राकृतिक गैस पर स्विच करने जैसी नवीन ऊर्जा-दक्षता परियोजनाओं में निवेश करना जारी रखा है। एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2023 द्वारा धातु और खनन क्षेत्र में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त, हिंदुस्तान जिंक 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो हासिल करने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। कंपनी अपने ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की मात्रा बढ़ाकर, ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए परिचालन क्षमता में सुधार और स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों से अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस वर्ष की शुरुआत में, हिन्दुस्तान जिंक को नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त होनी शुरू हुई, जिसका उपयोग एशिया के पहले कम कार्बन वाले ग्रीन जिंक-इकोजेन के उत्पादन में किया गया था।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

महत्वपूर्ण फैसलों से बदलती राजस्थान की तस्वीर

संशोधित पीकेसी योजना के लिए राजस्थान, मध्य प्रदेश और केन्द्र सरकार के बीच एमओयू

शेखावाटी अंचल को बहुप्रतीक्षित यमुना जल उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान, हरियाणा और केन्द्र सरकार के बीच एमओयू

ऊर्जा क्षेत्र में केंद्रीय पीएसयू के साथ 2.24 लाख करोड़ के एमओयू

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 38,447 आवास पूर्ण 1 लाख 55 हजार नए आवासों की स्वीकृति

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 20 हजार रूफटॉप सोलर संयत्र स्थापित

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 30,297 आवास पूर्ण, 30,408 नए आवासों की स्वीकृति

लगभग 96 हजार कृषि कनेक्शन और 4 लाख 64 हजार घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत 8 रूपये में भरपेट भोजन, प्रति थाली सरकार की तरफ से 22 रुपये का अनुदान

किसान सम्मान निधि में 70 लाख से अधिक कृषकों को 5500 करोड़ रुपये से अधिक राशि हस्तान्तरित

लगभग 26 हजार सोलर पम्प सेट की स्थापना के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये का अनुदान

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं मा वाउचर योजना प्रारम्भ

5 नये मेडिकल कॉलेज बारां, बांसवाड़ा, नागौर, झुन्झुनूं एवं सवाई माधोपुर में प्रारम्भ

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट 2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एम.ओ.यू.

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे रोपित

सड़क निर्माण पर लगभग 15000 करोड़ रुपये व्यय

43000 से अधिक पदों पर नियुक्तियां

10.22 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल, 5257 करोड़ रुपये व्यय

एमजेएसए 2.0 में 5000 गाँवों में 1 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स कार्य

राजस्थान संवाद

दस नवीन नीतियां

- राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना
- राजस्थान मिनरल पॉलिसी
- राजस्थान एम-सेण्ड पॉलिसी
- राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी
- इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी पॉलिसी
- राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी
- राजस्थान एक जिला-एक उत्पाद नीति
- इंटीग्रेटेड क्लस्टर डवलपमेंट स्कीम
- राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी
- राजस्थान ट्यूरिज्म यूनिट पॉलिसी

निभाई जिम्मेदारी, हर घर खुशहाली

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

फोन टैपिंग केसः पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पूर्व एसीएस होम, तत्कालीन डीजीपी से हो सकती है पूछताछ

लोकेश शर्मा बने सरकारी गवाह, गहलोत की बढ़ेंगी मुश्किलें!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के बहुचर्चित फोन टैपिंग केस में नया मोड़ आ गया। पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा इस केस में सरकारी गवाह बन गए। लोकेश शर्मा की सरकारी गवाह बनने की एप्लिकेशन को दिल्ली कीपटियाला हाउस कोर्ट ने मंजूर कर लिया। फोन टैपिंग केस में लोकेश शर्मा दिल्ली क्राइम ब्रांच में पहले ही बयान दे चुके हैं। अब इस केस में जांच आगे बढ़ सकती है।

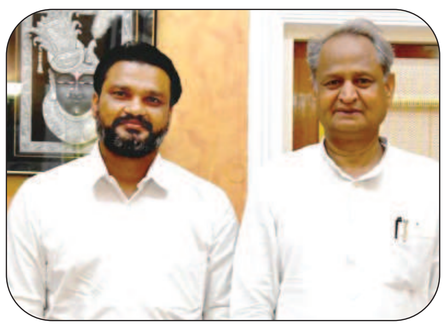

मेरे परिवार को खतरा-लोकेश

लोकेश शर्मा ने कहा कि फोन टैपिंग केस में सरकारी गवाह बनने की मेरी याचिका को कोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट जब भी बुलाएगा मैं तब फोन टैपिंग की पूरी सच्चाई सबूतों के साथ बताऊंगा। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को जान का खतरा है, मैं परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं।

लोकेश शर्मा के सरकारी गवाह बनने के बाद अब इस केस में नया मोड़ आना तय है। दिल्ली पलिुस की क्राइम ब्रांच लोकेश के बयानों के आधार पर अब पूर सीएम व अशोक गहलोत, पूर एसीएस व होम, तत्कालीन डीजीपी और गहलोत राज के कुछ अफसरों से पूछताछ कर सकती है। सरकारी गवाह बनने से लोकेश शर्मा को इस केस में राहत मिल गई। बता दें कि लोकेश शर्मा को 25 नवंबर को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था। वहीं, गिरफ्तारी के तुंरत बाद उनको अग्रिम जमानत भी मिल गई थी। उसी समय अंदाजा लगाया जा रहा था कि लोकेश शर्मा सरकारी गवाह बन सकते हैं।

क्या है फोन टैपिंग का पूरा मामला

दरअसल, 2020 में कांग्रेस में 'मानेसर बगावत' के समय फोन टैपिंग मामला सामने आने के बाद दिल्ली क्राइम ब्रांच में कें द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें लोके श शर्मा का नाम था। इस एफआईआर के बाद लोकेश शर्मा ने गिरफ्तारी पर रोक के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे उन्होंने वापस लेने का फैसला लिया था। बता दें कि राजस्थान की राजनीति में 2020 में हुई उथल-पुथल को लेकर कुछ ऑडियो वायरल हुए थे। इसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश की जा रही है।

झरनों को लगी ठंड, जम गई बर्फ

घाटी में जम गए झरने, जोजिला में -23 डिग्री पहुंचा तापमान, जयपुर में बढ़ने लगी गलन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीनगर/जयपुर। जम्मू-कश्मीर कड़ाके की ठंड की चपेट में है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई इलाकों में तापमान जमाव बिंदु से नीचे है। प्रदेश में कई जगहों पर बर्फबारी हुई है। घाटी में झरने तक जम गए हैं। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में भी भीषण ठंड पड़ रही है। कश्मीर क्षेत्र में सबसे ज्यादा ठंड जोजिला इलाके में दर्ज की गई। यहां पर मंगलवार को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, जम्मू क्षेत्र के पैडर में तापमान -8.3°C दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी गलन वाली ठंड शुरू हो गई है। हालांकि धूप निकलने से राहत मिली। इससे पहले श्रीनगर शहर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के समान ही था। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात से थोड़ा कम था। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर के रूप में कार्य करने वाले पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस नीचे से थोड़ा कम था।

US की पहली हिंदू सांसद और CIA की प्रमुख नामित तुलसी गाबार्ड पहुंची अक्षरधाम मंदिर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

न्यूयॉर्क। अमेरिका की पहली हिंदू सांसद और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट में राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) की प्रमुख नामित तुलसी गाबार्ड ने अक्षरधाम मंदिर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में अपनी कई तस्वीरें खिंचवाईं और इसके बाद अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर दिल छू लेने वाली बात लिखी। बता दें कि तुलसी गाबार्ड राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे भरोसमंद साथियों में हैं। ट्रंप ने उन्हें सीआईए प्रमुख की जिम्मेदारी दी है। तुलसी गाबार्ड भारत और हिंदुओं से बेहद लगाव रखती हैं।

न्यूयॉर्क स्थित अक्षरधाम मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद उन्होंने पोस्ट किया, "प्रतिष्ठित अक्षरधाम मंदिर यूएसए का बीती रात दौरा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही। मैं देश भर से एकत्र हुए हिंदू नेताओं, रॉबिन्सविले के मेयर और परिषद के सदस्यों और एकता की विशेष शाम के लिए प्रार्थना व संगति में एकत्र हुए हजारों लोगों के गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभारी हूं।" तुलसी गाबार्ड के इस पोस्ट ने अमेरिका के हजारों हिंदुओं का दिल जीत लिया।

चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए-उद्धव ठाकरे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

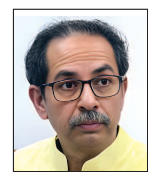

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में 'वन नेशन वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयक को पेश कर दिया गया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ये बिल पेश किया है। मोदी सरकार ने कहा है कि इस बिल को व्यापक विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति यानी कि JPC के पास भेजा जाएगा। वन नेशन वन इलेक्शन जुड़े संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। वहीं, अब शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी इस मुद्दे पर राय रखी है। ठाकरे ने कहा है कि पहले देश में चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए।

स्कूलों में शीतकालीन अवकाश पर संशय बरकरार, 25 को अवकाश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा इस समय तक हो जाती थी, लेकिन इस बार संशय की स्थिति बनी हुई है। शिविर पंचांग के अनुसार 11 दिनों की छुट्टी दी गई है। जो 25 दिसंबर से शुरू होगी और 5 जनवरी को खत्म हो जाएगी। राजस्थान के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 25 दिसम्बर से ही शुरू होते आए हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से सर्दी तेज पडने के कारण अक्सर शीतकालीन अवकाश बढ़ा दिए जाते हैं। ऐसे में बच्चों की छुट्टियां बढ़ जाती है। इस कारण शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पिछले दिनों मौखिक रूप से कहा था कि इस सत्र में शीतकालीन अवकाश तेज सर्दी को देखते हुए किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री के इस बयान से स्कूलों में शीतकालीन अवकाश को लेकर अभी तक असमंजस की स्थिति बनी हुई है। शिविरा पंचांग के अनुसार स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 25 दिसम्बर से 5 जनवरी तक घोषित किया हुआ है।

25 को सार्वजनिक अवकाश

वहीं 25 दिसंबर को सारे स्कूल-कॉलेज, ऑफिस और बैंक बंद रहेंगे। राजस्थान में 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी ऐसे में बुधवार को सारे सरकारी स्कूल-कॉलेज, बैंक और ऑफिस बंद रहेंगे।

दिसंबर शिविरा पंचांग

शिविरा पंचांग के अनुसार दिसंबर में 20 कार्यदिवस और 5 रविवार है। इसके साथ ही शीतकालीन अवकाश 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक है जिसके बीच में कई प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई है।

पीएम मोदी ने सराही ट्रैवल टूरिज्म की कार्यप्रणाली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अभी हाल ही में राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर में राइजिंग राजस्थान समिट 2024 का आयोजन किया गया। जिसमें देश विदेश के इन्वेस्टर्स, डेलीगेट्स, स्पीकर्स ने भाग लेकर विकसित राजस्थान और निवेश की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस समिट का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। उन्होंने समिट में लगी स्टॉल्स पर जाकर नए स्टार्टअप्स और आविष्कारों के बारे में जाना। इस समिट में ट्रैवल स्टार्टअप थ्रिलोफिलिया की संस्थापक, चित्रा गुर्नानी डागा ने पीएम मोदी के साथ मंच साझा किया, जहां उन्होंने AI और डेटा का उपयोग करके व्यक्तिगत यात्रा अनुभवों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। थ्रिलोफिलिया की सेवाएं, जैसे AI-संचालित व्यक्तिगत यात्रा योजनाएं और सरल बुकिंग प्रक्रिया, स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को भी समर्थन देती हैं। यह मॉडल भारतीय पर्यटन की अनदेखी संभावनाओं, जैसे आदिवासी और ग्रामीण पर्यटन, को उजागर करने का काम करता है। थ्रिलोफिलिया, एक प्रमुख यात्रा कंपनी, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टेक-ड्रिवन एक्सपीरियंशल ट्रैवल टूरिज्म के दृष्टिकोण का हिस्सा बन गई है।

एलन ने की उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। आर्मेनिया गणराज्य की संसद राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष महामहिम एलन सिमोनियन ने मंगलवार को उपराष्टपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधो पर विचार विमर्श किया।

उपराष्ट्रपति सचिवालय ने यहां बताया कि दोनों नेताओं की यह मुलाकात संसद भवप परिसर में हुई।

दोनों नेताओं की चर्चा दोनों देशों के लोकतंत्रों के बीच ऐतिहासिक दीर्घकालिक संबंधों पर केंद्रित रही और द्विपक्षीय व्यापार और संपर्क को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया गया। नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने में भारत और आर्मेनिया के बीच संसदीय आदान-प्रदान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

एमपीयूएटी प्रबंध मंडल की 63 वीं बैठक

नवचयनित कार्मिकों को अब पांच साल का बॉण्ड भरना अनिवार्य

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल देंगे 42 स्वर्ण पदक

केरियर एडवांसमेंट स्कीम में 44 शिक्षक पदोन्नत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भी अब निजी कंपनियों की तर्ज पर नवागंतुक चयनित शिक्षकों व कर्मचारियों से बॉण्ड भरवाएगा ताकि वे सशर्त कम से कम पांच वर्ष तक विश्वविद्यालय में सेवाएं दे। इससे पूर्व यदि वे विश्वविद्यालय छोड़कर अन्यत्र जाते हैं तो शिक्षकों से 5 लाख रूपये व शैक्षणिक कर्मचारियों से 2.5 लाख रूपये वसूले जाएंगे। साथ ही सभी कर्मचारी वर्ष में अब केवल दो प्रार्थना पत्र ही अन्यत्र रोजगार के लिए दे सकेंगे। यह महत्वपूर्ण निर्णय आयोजित एमपीयूएटी प्रबंध मंडल की 63वीं बैठक में लिया गया। कुलपति सचिवालय में कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मनोनीत सदस्य बेंगू विधायक सुरेश धाकड़, सी.आर. देवासी, प्रगतिशील कृषक विष्णु पारीक, डॉ. अरविन्द वर्मा, डॉ. लोकेश गुप्ता, सदस्य सचिव सुधांशु सिंह, वित्त नियंत्रक विनय सिंह भाटी ने भाग लिया। उपमहानिदेशक डॉ. आर. सी. अग्रवाल (कृषि शिक्षा- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) एवं सचिव कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से डॉ. एस. के. आचार्य ने बॉम की बैठक में ऑन लाइन भाग लिया। बैठक में और भी कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा कर निर्णय किए गए। एमपीयूएटी का 18 वां दीक्षांत समारोह आगामी 21 दिसम्बर को आयोजित करने का निर्णय किया गया जिसमें राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े 42 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 938 स्नातक, 181 स्नातकोत्तर व 62 विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) छात्र-छात्राओं को दीक्षा व उपाधियां प्रदान करेंगे।

बैठक में लिए प्रस्ताव में 10 सहायक प्राध्यपकों को सीनियर स्केल में लेने जबकि सीनियर स्केल प्राप्त दो लोगों को एसोसिएट प्रोफेसर बनाने का निर्णय किया गया। इसके अलावा एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत 32 लोगों को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत करने का निर्णय किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय का वर्ष 2024-25 अनुमानित बजट व वर्ष 2023-24 के अनुमानित संशोधित बजट का अनुमोदन माननीय कुलपति महोदय व सम्मानित सदस्यों द्वारा किया गया।

बैठक में नई दिल्ली से आनॅलाइन जुड़े आईसीएआर में उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने कहा कि न केवल शिक्षण बल्कि अनुसंधान, प्रसार एवं नवाचार में एमपीयूएटी राष्ट्र स्तर पर अपनी अलहदा पहचान बनाई है। आईसीएआर द्वारा प्रदत योजनाओं में जिस गुणवत्ता से एमपीयूएटी में काम हो रहा है, देश के अन्य विश्वविद्यालयों को भी सीख लेनी चाहिए। कुलपति डॉ. कर्नाटक की विहंगम सोच और कृषक व आम जनहित में किसी भी कार्यक्रम को धरातल पर उतारने की अद्वितीय क्षमता के कारण एमपीयूएटी आज नजीर बन चुका है।

उदयपुरा व्यापारी एसोसिएशन द्वारा आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह

छोटे-बड़े व्यापारी एकजुट होकर व्यापार करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/नई दिल्ली। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता भोपाल की उदयपुरा व्यापारी एसोसिएशन द्वारा आयोजित शपथ-ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी को शपथ दिलाते हुए कहा कि समय आ गया है कि छोटे-बड़े व्यापारी एकजुट होकर व्यापार करें, तभी ऑनलाईन एवं मेट्रो ट्रेड का सामना कर सकेंगे। 35 प्रतिशत व्यापार ऑनलाईन ट्रेड में होने लगा है। ऑनलाईन ट्रेड तथा मेट्रो ट्रेड के अगुवा अमेजन, फ्लिपकार्ट तथा जौमेटो नुकसान में होते हुए भी खरीददार को लुभाने के लिये कई तरह के डिस्काउण्ट्स तथा डील ऑफर कर रहे हैं। बाजारों में बैठे व्यापारियों तथा छोटे उद्योगों को बाजार से आउट करना इनका एकमात्र उद्देश्य है। दीपावली तथा दशहरा जैसे समय पर भी इलैक्ट्रोनिक्स सामान, बरतन, कपड़ा, फर्नीशिंग आइटम्स का व्यापार सुस्त रहा है।

गुप्ता ने कहा कि संगठन को शक्ति देना हर व्यापारी अपना कर्त्तव्य समझें। चेन्नई, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखण्ड, चण्डीगढ़, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, केरल आदि प्रांतों ने सभायें कर संकल्प लिये है कि भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल को अधिक सबल बनाने के लिये तहसील, कस्बा, जिला एवं शहर के हर कोने से व्यापारी आकर मीटिंगों में शामिल होवें। इन सभाओं में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित होकर 'संकल्प अब कर्श्रव्य बनेगा' का आह्वान किया। समारोह की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्षा सीमा बृजेन्द्र सिंह राजपूत ने की तथा समारोह में बीयूवीएम के वरिष्ठ महामंत्री मुकुन्द मिश्रा तथा बीयूवीएम मध्यप्रदेश प्रांत के अध्यक्ष राजेश जैन भी शामिल हुए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संदीप विश्नोई को राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने शपथ दिलायी और उसके बाद समस्त कार्यकारिणी को शपथ दिलायी गयी। जिनमें, महामंत्री अरविन्द धाकड़, कोषाध्यक्ष बृजेन्द्र साहू, सचिव श्याम सुंदर रघु, सहसचिव अमित गोदानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर चक्रधर, रामेन्द्र रघु, सतपाल सिंह चौहान, दीपक चांडक, नवनीत भार्गव, घनश्याम नेमा, विवेक लोया आदि ने शपथ ली। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान किया गया। जिनमें नारायण मालाणी, छोटेलाल रघु, प्रेमनारायण मालाणी, हरिनारायण नेमा, बालाप्रकाश वर्मा, प्रकाश लोहिया, विनोद विश्नोई, विष्णुदयाल, वर्मा, महेश दूबे, विजय रघु, कन्हैयालाल विश्वकर्मा आदि प्रमुख रहे। पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल जैन, अरविन्द समेले, तथा हरिनारायण नेमा भी उपस्थित रहे। सभा को मुकुन्द मिश्रा तथा राजेश जैन ने भी संबोधित किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि शोपिंग मॉल और ई-कॉमर्स कंपनियों को केन्द्र सरकार कानून बनाकर व्यवस्थित करें, ताकि बाजार में बैठा व्यापारी सुरक्षित व्यापार कर सकें। एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप विश्नोई ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल जैन ने व्यापार महासंघ की गतिविधियों से अवगत कराया। नवनिर्वाचित व्यापारी एसोसिएशन के महामंत्री अरविन्द धाकड़ ने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

अब भारत-चीन के रिश्तों की होगी नई शुरुआत

विभिन्न मुद्दों पर वार्ता करने बीजिंग पहुंचे NSA डोभाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/बीजिंग। भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। एक माह पहले रियो डी जेनेरियो में जी-20 की बैठक से इतर हुई पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक ने दोनों देशों के बीच 4 वर्षों से जारी तनाव को काफी हद तक कम कर दिया था। इसके बाद भारत-चीन के रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघलने लगी। अब इसी कड़ी को और आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल बुधवार को होने वाली भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता में भाग लेने के लिए मंगलवार को बीजिंग पहुंचे। इस वार्ता का उद्देश्य पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय तक प्रभावित रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करना है। डोभाल अपने चीनी समकक्ष और विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 23वें दौर की वार्ता करेंगे। इस दौरान पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर दोनों देशों के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार चीन

चीन ने इस महत्वपूर्ण वार्ता से पहले मंगलवार को कहा कि वह 24 अक्टूबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूस के कजान में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के दौरान बनी आम सहमति के आधार पर प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने के लिए तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक संवाददाता सम्मेलन में विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चीन दोनों नेताओं (मोदी और चिनफिंग) के बीच बनी अहम आम सहमति को साकार करने, वार्ता और संचार के माध्यम से आपसी विश्वास एवं भरोसा बढ़ाने, अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने तथा द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ एवं सतत विकास की ओर फिर से ले जाने के मकसद से भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

एमपीयूएटी का दीक्षांत समारोह 21 दिसंबर को

» जागरूक जनता @ उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) का 18 वां दीक्षांत समारोह आगामी 21 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय यहां एमपीयूएटी प्रबंध मंडल की कुलपति सचिवालय में कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक की अध्यक्षता में आयोजित यहां आयोजित 63 वीं बैठक में लिया गया।

कांस्टेबल भर्ती-2023: उच्च न्यायालय ने खारिज की भर्ती से जुड़ी याचिकाएं

» जागरूक जनता @ जयपुर। उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा कॉन्स्टेबल भर्ती-2023 से संबंधित एसबी सिविल रिट याचिका संख्या 20250/2023 द्वारा सौरभ कुमार व अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य 118 याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इससे इस भर्ती परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से आगामी दिनों में रोजगार उत्सव के तहत नियुक्ति पत्र प्रदान करने की दिशा में तैयारी आरम्भ कर दी गई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि एसबी सिविल रिट याचिका संख्या 39/2023 द्वारा विकास बाजिया व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा पारित आदेश 01 फरवरी, 2024 की पालना में कॉन्स्टेबल भर्ती-2023 के लिए विज्ञापित 3578 पदों के विरूद्ध चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश अग्रिम आदेश तक जारी नही करने के लिए निर्देश प्रदान किये गये थे। अब न्यायालय द्वारा इस भर्ती से सम्बंधित याचिकाओं को खारिज कर दिया गया है।इस संदर्भ में सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर नियुक्ति आदेश जारी करने के सम्बंध में अग्रिम तैयारी के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। पांडे ने बताया कि रोजगार उत्सव की तिथि निर्धारण होने तक पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सहित जयपुर और जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों और अन्य सम्बंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों (रिव्यू में चयनित अभ्यर्थियों सहित) की नियुक्ति संबंधी नियमानुसार समस्त औपचारिकताएँ यथा-स्वास्थ्य परीक्षण/चरित्र सत्यापन/दस्तावेज सत्यापन आदि की कार्यवाही आगामी 3 दिनों में पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करें।

पशुपालन मंत्री की पशुपालकों को सलाह

सर्दी के मौसम में शीत लहर से पशुओं को बचाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सर्दी में शीतलहर का प्रकोप शुरू हो जाता है। ऐसे में पशुओं को भी शीतलहर से बचाना जरूरी होता है, वरना पशुधन बीमार पड़ सकता है। पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा है कि राज्य में ठंड बढ़ने के साथ कुछ जगहों पर शीतलहर की शुरुआत हो चुकी है। कई जिलों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। इतने कम तापमान से न केवल इंसान बल्कि पशु पक्षी भी प्रभावित होते हैं। खासकर दुधारू पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर ठंड का बहुत असर पड़ता है। अधिक ठंड के कारण दुधारू पशु अक्सर जल्दी बीमार पड़ते हैं और दूध देना कम कर देते हैं। इसके कारण पशुपालकों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि वे सर्दी के मौसम में अपने पशुओं का विशेष ध्यान रखें। उन्हें ठंड से बचाएं, रात के समय पशुओं को खुले में न बांधें। उन्हें कंबल या जूट के बोरों से ढंककर रखें। दिन के समय संभव हो तो उन्हें धूप में रखें। उन्होंने कहा कि ठंड के समय में पशुओं के आहार का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए। उनके खुराक मे सूखा चारा, मोटा अनाज, सरसों की खल आदि की अधिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पशुओं को सप्ताह में दो बार गुड़ जरूर खिलाना चाहिए। उन्होंने पशुशाला को साफ और सूखा रखने की सलाह भी पशुपालकों को दी। उन्होंने कहा कि पशुओं के आश्रय स्थल एवं पशु शालाओं में डिसइनफेक्टेंट का छिड़काव करके उन्हें विसंक्रमित भी करना चाहिए। पशुपालन मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा पशुओं की देखभाल को लेकर निर्देश जारी किए जाते हैं।

शिल्पग्राम महोत्सवः स्टोन के बड़े एस्ट्रो साइन और मुखौटे करेंगे आकर्षित

महोत्सव में कई नवाचार भी, जिनमें हैं राशियों के साइन की आदमकद पाषाण प्रतिमाएं

रंगीन जनजातीय समुदायों के मुखौटे भी अनूठी कला के उदाहरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की ओर से 21 दिसंबर से आयोजित हो रहे शिल्पग्राम महोत्सव में इस बार कई नवाचार भी लुभाएंगे। इनमें जहां ज्योतिषीय राशियों के स्कल्पचर हर मेलार्थी के आकर्षण का केंद्र होंगे, वहीं विभिन्न जनजातीय समुदाय की संस्कृति को दर्शाते कई मुखौटे बरबस ही सभी का ध्यान खींचेंगे। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इस बार दस दिवसीय विश्व प्रसिद्ध शिल्पग्राम महोत्सव अपनी अनूठी छाप ही नहीं छोड़ेगा, बल्कि नवाचारों से भी महोत्सवार्थियों को रू-ब-रू कराएगा। जहां तक मुखौटों का प्रश्न है, इनका निर्माण विभिन्न प्रांतों के मंझे हुए 12 कलाकारों ने अपने सधे हाथों से किया है। ये आर्टिस्ट राजस्थान के उदयपुर और बूंदी के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र तथा तेलंगाना के हैं।

मुखौटों में इस सामग्री का उपयोग

कलाकारों ने अपने हुनर से कई जनजातिय समुदायों के लोगों और लोक देवताओं को सजीव करते मुखौटे बनाने में फाइबर, आयरन और पेपरमेशी का तो उपयोग किया ही है, वहीं इनमें मिट्टी, कपड़े, बांस, बांस की टोकरी, कागज, इमली के बीज का आटा, सूतली, फेविकोल आदि का उपयोग कर उनको ऐसा बनाया है मानो अभी बोल पड़ेंगे। इनको इतने बेहतरीन रंगों से सजाया है कि कोई भी देखकर दांतों तले अंगुली दबा सकता है। केंद्र के निदेशक खान ने बताया कि ये मुखौटे 3 से 6 फीट तक की साइज में हैं। इन पर हाव-भाव भी बहुत ही बारीकी से उकेरे गए हैं।

12 राशियों के आदमकद स्कल्पचर सेल्फी के लिए लुभाएंगे

केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इस बार महोत्सव का एक बड़ा नवाचार और आकर्षण होंगे बारह ज्योतिषीय राशियों के आदमकद स्कल्पचर। ये स्कल्पचर जाने-माने संगतराशों यानी पाषाण शिल्पियों ने तैयार किए हैं। इनमें बहुत ही बारीकी से पाषाणों पर काम किया गया है। ये दस्तकारी का अनुपम उदाहरण तो बनेंगे ही, मेलार्थियों और खासकर मुक्ताकाशी मंच पर कार्यक्रम देखने पहुंचने वाले दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बनेंगे। और तो और, ये इतने खूबसूरत बने हैं कि सभी उम्र के लोग अपनी राशि के साइन के साथ अवश्य ही सेल्फी लेना चाहेंगे, जो उम्रभर के लिए यादगार बनेगी। ऐसे खूबसूरत राशियों के साइन शायद ही कहीं देखे गए हों। ये स्कल्पचर मुक्ताकाशी मंच के आसपास रखवाए जाएंगे।

सर्दी से बचाव हेतु बच्चों को स्वेटर वितरित

» जागरूक जनता @ बीकानेर। रामप्रताप हनुमानदास मूंधड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट देशनोक बीकानेर द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नायक मौहल्ला, राजीव नगर में नौनिहालों को सर्दी से बचाव हेतु स्वेटर वितरित की गयी। इस पुनीत कार्यक्रम में भामाशाह एवं ट्रस्टी देशनोक नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंधड़ा और ट्रस्ट सदस्या सरिता मूंधड़ा ने कक्षा एक से पाँच के 71 नौनिहालों को स्वेटर वितरित की। इस अवसर पर संकुल संदर्भ केन्द्र प्रभारी प्राचार्य रमेश ओझा, व्याख्याता मोहनलाल चौधरी, एसडीएमसी सदस्य हंसराज स्वामी, प्रधानाध्यापक भागीरथ चौधरी, शिवशंकर गोदारा,नीना सैनी,रणवीर स्वामी, कविता आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यालय के अध्यापक शिवशंकर गोदारा ने भामाशाहों को प्रेरित कर नन्हे मुन्ने गरीब विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण करवाया। शिवशंकर गोदारा पूर्व में भी अनेक भामाशाहों को प्रेरित कर विद्यालय एवं विद्यार्थियों हेतु निरन्तर सुविधाएं प्रदान करवा चुके है। कार्यक्रम के अन्त में इस पुनीत कार्य हेतु विद्यालय स्टाफ द्वारा भामाशाह एवं ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया गया।

जनजाति शोधार्थियों से रिसर्च फेलोशिप योजना में आवेदन-पत्र आमंत्रित

» जागरूक जनता @ उदयपुर। राजस्थान में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा अनुसूचित क्षेत्र (टीएसपी) एवं सहरिया क्षेत्र की बारां जिले की शाहबाद एवं किशनगंज तहसीलों के पात्र जनजाति विद्यार्थियों के मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शोध कार्य के लिए पंजीकृत जनजाति शोधार्थियों से रिसर्च फेलोशिप योजनांतर्गत आवेदन-पत्र आमंत्रित किये गये हैं। माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओ.पी.जैन ने बताया कि आवेदन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 14 जनवरी को है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में आफलाईन भरकर कार्यालय समय में व्यक्तिशः अथवा डाक के माध्यम से जमा कराये जा सकते हैं। शोधार्थियों के लिए आवेदन पत्र एवं दिशा निर्देश एवं योजना की गाइडलाइन विभागीय वेबसाइट पर देखें जा सकते है।

लोकसभा का शीतकालीन सत्र

फिलिस्तीन के बाद अब बांग्लादेश, नया बैग लेकर संसद पहुंचीं प्रियंका गांधी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और वाडनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा फिलिस्तीन लिखे बैग को लेकर काफी चर्चा में रहीं। वहीं सोमवार को फिलिस्तीन का बैग लेकर जाने के बाद हुए विवाद के बाद अब प्रियंका गांधी अगले दिन दूसरा बैग लेकर संसद पहुंचीं। प्रियंका गांधी जिस बैग को लेकर आज संसद पहुंचीं उस पर लिखा था, 'बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों'। बता दें कि प्रियंका गांधी कल एक बैग लेकर संसद गई थीं, जिसपर फिलिस्तीन लिखा हुआ था, जिसे लेकर दिन भर बयानबाजी हुई। हालांकि प्रियंका गांधी से जब इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने फिलिस्तीन का नाम न लेते हुए बांग्लादेश का जिक्र किया था।

बांग्लादेश लिखा बैग लेकर पहुंचीं प्रियंका

वहीं आज मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा 'बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों' लिखा हुआ बैग लेकर संसद पहुंचीं। प्रियंका गांधी वाद्रा के अलावा पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी ऐसा भी बैग लिया हुआ था। इस दौरान सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय तथा दूसरे अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सरकार से उनके लिए न्याय की मांग की। उन्होंने अपने हाथ में थैला भी ले रखा था जिस पर "बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों" लिखा हुआ था।

संसद के बाहर किया प्रदर्शन

प्रियंका गांधी और कई अन्य सांसद संसद भवन में 'मकर द्वार' के निकट एकत्र हुए और "केंद्र सरकार जवाब दो" और "वी वांट जस्टिस" के नारे लगाए। कांग्रेस ने सोमवार को भी इस विषय को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया था। प्रियंका गांधी ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान भी यह विषय उठाया था। प्रियंका ने फिलिस्तीन के बैग को लेकर पूछे गए सवाल पर कल कहा, "उन्हें बताएं कि उन्हें बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों 'हिंदुओं और ईसाइयों' पर हो रहे अत्याचारों के बारे में कुछ करना चाहिए। बांग्लादेश सरकार से बात करें और इन्हें रोकें।"

सोना हुआ 2,500 रुपये सस्ता! लगातार चौथे दिन लुढ़का, भाव 76,500 के नीचे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल रुझानों के बीच सोने की कीमतों में मंगलवार यानी 17 दिसंबर को लगातार चौथे दिन गिरावट देखी जा रही है। घरेलू बाजार में सोना 24 कैरेट आज कारोबार की समाप्ति पर पिछले दिन की क्लोजिंग के मुकाबले 546 रुपये गिरकर 76,362 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर देखा गया। वहीं फ्यूचर मार्केट में सोने का बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 76,606 के निचले स्तर तक चला गया। पिछले हफ्ते 11 दिसंबर को यह 79,120 रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर पहुंच गया था। इस तरह से देखें तो पिछले हफ्ते के ऊपरी स्तर से सोना अभी 2,500 रुपये से ज्यादा सस्ता है।

फिलहाल मार्केट की नजर अमेरिकी फेडरल की आज से शुरू हो रही दो दिवसीय (17-18 दिसंबर) मीटिंग पर है। मार्केट में इस बात की संभावना प्रबल है कि अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व अपनी इस बैठक में एक बार फिर ब्याज दरों में कम से कम 25 बेसिस प्वाइंट यानी 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। यदि अमेरिका में ब्याज दरों में कमी आती है तो सोने को और सपोर्ट मिलना स्वाभाविक है। सोने पर कोई इंटरेस्ट/ यील्ड नहीं मिलता इसलिए ब्याज दरों के नीचे जाने से निवेश के तौर पर इस एसेट क्लास की मांग बढ़ जाती है।

घरेलू फ्यूचर मार्केट

घरेलू फ्यूचर मार्केट एमसीएक्स (MCX) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 17 दिसंबर को इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान 76,606 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक चला गया। फिलहाल (5.10 PM IST) यह 368 रुपये यानी 0.48 फीसदी की गिरावट के साथ 76,693 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर है। इससे पहले 13 नवंबर को इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 73,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर तक चला गया जबकि 30 अक्टूबर को यह 79,775 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया था।

सार्वजनिक उपक्रम देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनायेंगेः राजनाथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया है कि रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण को बढावा देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनायेंगे। सिंह ने मंगलवार को यहां रक्षा मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में पूर्ववर्ती आयुध निर्माणी बोर्ड के निगमीकरण के बाद बनाए गए सार्वजनिक क्षेत्र के नये उपक्रमों की भूमिका और कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों को वित्तीय आंकड़ों, आधुनिकीकरण, पूंजीगत व्यय, निर्यात, नए उत्पादों और अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं से अवगत कराया गया। रक्षा मंत्री ने महत्वपूर्ण उत्पादों के स्वदेशीकरण, उत्पादन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और एमएसएमई को बढ़ावा देने में नए उपक्रमों के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि निगमीकरण के बाद, नए उपक्रमों ने उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में इन उपक्रमों की बिक्री और लाभ में अच्छी प्रगति हुई है। रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नए उपक्रम आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण को आगे बढ़ाएंगे तथा विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकियों को शामिल करके गुणवत्ता, कारोबार, लाभ और अन्य वित्तीय मापदंडों में नए आयाम स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा, "हमारे नए डीपीएसयू रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाएंगे। "

नए उपक्रमों में मानव संसाधन से संबंधित कुछ मुद्दों पर समिति के कुछ सदस्यों की चिंताओं और सुझावों पर रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि निगमीकरण से उत्पन्न सभी मुद्दों का सभी हितधारकों के परामर्श से समाधान किया जा रहा है। उन्होंने सुझावों की सराहना की और कहा कि कार्यान्वयन के लिए इनकी जांच की जाएगी। बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रथम अनुपूरक मांगों को लोकसभा की मंजूरी

आर्थिक अपराधियों पर सख्त है सरकार-सीतारमण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। लोकसभा ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के-प्रथम बैच पर विपक्षी सदस्यों द्वारा लाए गये संशोधन प्रस्तावों को अस्वीकार करते हुए तत्संबंधी विनियोग विधेयक को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

गौरतलब है कि सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में सकल 87762.56 करोड़ रुपये के अतिरिक्त व्यय की अनुमति के लिये चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अनुदानों की पूरक मांगों की पहली सूची प्रस्तुत की थी, जिसमें अतिरिक्त नगद व्यय 44143 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने "अनुदानों की अनुपूरक मांगेः वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच" पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए आज लोकसभा में कहा कि सरकार भ्रष्टाचार को लेकर सख्त है और आर्थिक अपराधियों को किसी भी स्तर पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी सहित सभी भगोड़े आर्थिक अपराधियों की संपत्तियों को कुर्क कर बैंकों का पैसा लौटाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा जैसी योजनाओं में गड़बड़ी सामने आई है और राज्य सरकार के अधिकारियों के सामने केंद्रीय जांच दल ने गड़बडी का खुलासा किया है इसलिए वहां तब तक शेष राशि केंद्र से नहीं दी जाएगी जब तक राज्य सरकार इन गड़बड़ियों को दूर नहीं करती है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में खुदरा मुद्रास्फीति दस प्रतिशत से ऊपर चली गई थी। वर्ष 2009 से 2014 के दौरान 11 प्रतिशत चली गयी थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के समय मुद्रास्फीति संप्रग की तुलना में काफी बेहतर है। कांग्रेस के समय रसोई गैस का सिलेंडर सिर्फ पहुंच वाले लोगों को मिलता था, लेकिन राजग के समय में यह करीब करीब सबको मिल रहा है। गैस कनेक्शन संख्या 14.5 करोड़ से बढ़कर अप्रैल 2323-24 में 34.65 करोड़ हो गयी है। अब देश के लगभग हर घर में गैस कनेक्शन पहुंच गया है। सरकार ने उज्ज्वला योजना शुरु की जिसके जरिए 10.33 करोड़ कनेक्शन गरीबों को दिए गये हैं और उन्हें 503 रुपए की दर से सिलेंडर दिया जा रहा है। आज बेरोजगारी की दर भी घटी है और यह छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) पर कहा कि इसमें 91 लाख से अधिक अंशधारक जुड़े हैं जो पिछले साल की इस अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

वित्त मंत्री ने कहा "हम पूरक अनुदान मांगों को दो बार ही पेश करने तक सीमित करना चाहते हैं, लेकिन कभी कभार तीन बार इसे पेश किया जा रहा है। इस बार पेश पहली अनुपूरक मांगों की राशि बहुत कम है जो हमारे बजट अनुमानों के करीब-करीब सटीक रहने की धारणा को मजबूत करता है।"

उन्होंने निवेश में कमी को लेकर सदस्यों की चिंता का जवाब देते हुए कहा कि हमारा ध्यान बजट में पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर है और बजट में 11.11 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अगर इसमें राज्यों को दिये गये पूंजीगत अनुदान को जोड़ दिया जाए तो यह 15.02 लाख करोड़ हो जाता है। इसका उद्देश्य आर्थिक बढ़ोतरी को गति प्रदान करना है क्योंकि पूंजीगत मद पर एक रुपये का खर्च आर्थिक गतिविधियों को व्यक्तिगत खर्च की तुलना में 3 से 4 गुना बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि सरकार पूंजीगत खर्च के माध्यम से दूर दराज के क्षेत्रों को जोड़ने, बुनियादी सुविधाओं को बढाने, सार्वजनिक ढांचे को मजबूत करने तथा कौशल विकास जैसे कार्यों में गति ला रही है।

उन्होंने कहा कि सकल पूंजीगत निर्माण कोविड से पहले 28.9 प्रतिशत से 30.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने विपक्ष शासित राज्यों के साथ भेदभाव की शिकायत को खारिज किया और कहा कि कर आय में राज्यों का हिस्सा वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार होता है। सरकार 14वें और 15वें आयोग की सिफारिशों को पूरा करने में कतई पीछे नहीं है। उन्होंने चालू वित्त वर्ष में बजट खर्च की गति धीमी होने की शिकायत के आरोप पर कहा कि इसमें चुनाव वर्ष होने का प्रभाव पड़ा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट में पहली बार लघु एवं मझौले उद्योगों के लिए प्लांट और मशीनरी खरीदने के प्रावधान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई में बजट पेश किया गया था, लेकिन कुछ मंत्रालयों को खर्च करने में कुछ ज्यादा समय लगता है। उन्होंने मनरेगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अनुपालन में पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव करने के आरोप खारिज करते हुए कहा कि इन दोनों योजनाओं के अनुपालन में अनियमितताएं साबित हुई हैं इसलिए धन केंद्र का हिस्सा जारी नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का अन्य राज्यों को पैसा मिल रहा है। हमने पश्चिम बंगाल में इनमें गड़बड़ी के कारण इसका पैसा रोका है। उन्होंने कहा कि पश्चम बंगाल सरकार योजनाओं में भ्रष्टाचार में गये पैसे की वसूली के लिए कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा क बंगाल सरकार इन सभी गड़बड़ियों को दूर करे, इस कार्रवाई का प्रमाण दे और उनका पैसा जारी कर दिया जाएगा।

संसदीय समिति ने की ये बड़ी सिफारिश

किसानों के खाते में ₹12,000 ट्रांसफर करने की तैयारी!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने कृषि मंत्रालय का नाम बदलने और पीएम किसान निधि योजना की वार्षिक राशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये करने की सिफारिश की है। लोकसभा में कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता वाली कृषि, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग संबंधी स्थायी समिति ने मंगलवार को संसद में 2024-25 के अनुदान मांगों पर अपनी रिपोर्ट पेश की। समिति ने कहा कि फार्म लेबरर्स (कृषि मजदूरों) की भूमिका को भी पहचानते हुए कृषि और किसान कल्याण विभाग का नाम बदलकर कृषि, किसान और कृषि मजदूर कल्याण विभाग किया जाना चाहिए। समिति ने यह भी सिफारिश की कि किसानों को दिए जाने वाले मौसमी प्रोत्साहन (सीजनल इंसेंटिव) का लाभ बटाईदार किसानों और कृषि मजदूरों को भी मिलना चाहिए।

एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की जरूरत

रिपोर्ट में कहा गया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का सही तरीके से लागू होना कृषि सुधार और किसानों के कल्याण के लिए बेहद जरूरी है। समिति ने सुझाव दिया कि कानूनी रूप से बाध्यकारी MSP लागू किया जाना चाहिए ताकि किसानों को आर्थिक स्थिरता मिले, बाजार में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिले और कर्ज के बोझ से राहत मिले। समिति ने कहा कि ऐसा करने से किसानों की आत्महत्या की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है।

छोटे किसानों के लिए अनिवार्य फसल बीमा और कृषि मजदूरों के लिए न्यूनतम वेतन आयोग की सिफारिश

संसद की कृषि संबंधी स्थायी समिति ने छोटे किसानों के लिए अनिवार्य फसल बीमा की सिफारिश की है। समिति ने कहा कि दो हेक्टेयर तक की भूमि वाले किसानों को केंद्र की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY) की तर्ज पर फसल बीमा का लाभ मिलना चाहिए। समिति ने यह भी सिफारिश की कि कृषि मजदूरों के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम जीवनयापन वेतन आयोग जल्द से जल्द स्थापित किया जाए, ताकि उन्हें उनके लंबे समय से पेंडिंग अधिकार मिल सकें। समिति ने किसानों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों और कृषि संकट के लिए बढ़ते कर्ज को जिम्मेदार ठहराते हुए केंद्र से किसानों और कृषि मजदूरों के कर्ज माफी की योजना शुरू करने की मांग की है।

कृषि विभाग के बजट आवंटन पर चिंता

समिति ने कहा कि कृषि और किसान कल्याण विभाग को 2021-22 से 2024-25 के बीच भले ही कुल राशि में अधिक बजट मिला हो, लेकिन केंद्र की कुल योजना खर्च में इसका हिस्सा 3.53 प्रतिशत (2020-21) से घटकर 2.54 प्रतिशत (2024-25) हो गया है। समिति ने कृषि क्षेत्र में बजट बढ़ाने की सिफारिश की, ताकि उत्पादकता में सुधार हो सके। समिति ने कहा कि 2023-24 में पूंजीगत कार्यों के लिए 10.41 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था जिसे संशोधित बजट (रश्ध) में घटाकर 9.96 करोड़ रुपये कर दिया गया। हालांकि, इसमें से केवल 3.389 करोड़ रुपये ही खर्च हो पाए। समिति ने 60 प्रतिशत से अधिक राशि के खर्च न होने पर चिंता जताई और कहा कि पूंजीगत कार्यों के लिए सही योजना बनाकर बजट का उचित इस्तेमाल किया जाए।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का समापन

एक ही स्थान पर राज्य सरकार के सभी विभागों की योजनाओं को जानने का मिला मौका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित की जा रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 'एक वर्ष परिणाम उत्कर्ष' का मंगलवार को समापन हुआ।

तीन दिनों के लिए संचालित की गई इस प्रदर्शनी में युवाओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। अंतिम दिन भी प्रदर्शनी आमजन की जिज्ञासा एवं उत्सुकता का विषय बनी रही। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शनी में संचालित की गई chilla& प्रश्नोत्तरी में आमजन विशेषकर युवाओं ने सक्रिय प्रतिभागी बनकर प्रदेश के सामान्य ज्ञान का अर्जन किया। प्रदर्शनी में पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट ने राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। पुलिस निरीक्षक गजेंद्र शर्मा ने मनोरंजक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से साइबर क्राइम के संबंध में आमजन के साथ उपयोगी जानकारी साझा की।

इसी प्रकार सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की स्टॉल पर विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्ध साहित्य के माध्यम से भी स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों ने राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के बारे मे जानकारी प्राप्त की।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा मोहित ने प्रदर्शनी को एक सफल आयोजन बताते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को जानने का बहुत ही कारगर माध्यम साबित हुई है। यहां पर सभी विभागों की स्टॉल पर वितरित हो रहा साहित्य एवं chilla& प्रश्नोत्तरी द्वारा हम प्रदेश से संबंधित अपने सामान्य ज्ञान का आकलन कर पाए हैं। प्रदर्शनी का समापन देश प्रदेश के कलाकारों ने संस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से किया।

वसुंधरा राजे और दीया कुमारी आईं आमने-सामने, इस एक तस्वीर ने सबको चौंकाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जयपुर पहुंचे थे। इस दौरान उनके मंच पर आने से पहले एक तस्वीर सामने आई, जिसने सभी को चौंका दिया। दरअसल राजमहल विवाद के बाद से प्रदेश में दो राजघरानों के बीच तल्खियां बढ़ गई थी। राजस्थान विधानसभा चुनाव में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जबरदस्त दिखाई दे रही थी। वसुंधरा राजे का विकल्प दीया कुमारी को माना जा रहा था, जिसके बाद दोनों के बीच काफी तना-तनी मची हुई थी। वसुंधरा सरकार में राजमहल पर अवैध अतिक्रमण के बाद सीज के मामले में पूरा राजपरिवार सड़क पर आ गया था, जिसके बाद माना जा रहा था कि वसुंधरा राजे और दीया कुमारी के बीच विवाद बढ़ गया है।

आमने-सामने आईं दीया कुमारी और वसुंधरा राजे

बता दें कि राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव के बाद भी दोनों नेता कभी आमने-सामने नहीं आईं। यहां तक कि मंच से कई बार मुहावरों का प्रयोग कर वसुंधरा राजे ने दीया कुमारी पर भी निशाना साधा। लेकिन आज जयपुर में पीएम नरेंद्र मोदी की रैली से पूर्व दोनों नेताओं का आमना-सामना हुआ। इस दौरान दीया कुमारी ने वसुंधरा राजे के पैर के तरफ हाथ कर प्रणाम किया और इस दौरान दोनों के बीच काफी संवाद हुआ। इस एक तस्वीर के सामने आने के बाद सियासी सुगबुगाहट राजस्थान में तेज हो गई है। दरअसल दोनों को एक दूसरे का विरोधी माना जा रहा था। लेकिन आज दोनों का आमना सामना होना और दोनों के बीच लंबे समय तक बात होने ने विपक्षियों के मुंह को बंद कर दिया है।

मोदी ने राजस्थान के लिये कोई सौगात नहीं देकर जनता को किया निराश-डोटासरा

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे को लेकर भाजपा के नेता सौंगातों का पिटारा खोलने की घोषणा का प्रचार कर रहे थे लेकिन उन्होंने राज्य के लिये कोई सौगात नहीं देकर जनता को निराश किया है। डोटासरा ने आयोजित प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्य को बहुत उम्मीदें थीं क्योंकि उनके वायदे एवं बातों पर विश्वास करके जनता ने भाजपा को सत्ता सौंपी थी। उन्होंने कहा कि मोदी ने केवल जुमले देने का ही कार्य किया और असत्य तथ्य अपने भाषण में कहे।

ठंड के दौरान ए टू जेड सेवा संस्थान ने शुरू किया कम्बल वितरण अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर की सामाजिक संस्था ए टू जेड सेवा संस्थान ने मित्र मंडल और जनसहयोग के साथ मिलकर सर्दी के मौसम में शीत लहर के दौरान गरीब, असहाय व जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण का अभियान चालू किया। पीपाड़ के नानण बाईपास चौराह जोधपुर रोड़ स्थित होटल जगदंबा में एक लघु कार्यक्रम के दौरान इस अभियान की शुरुआत की है जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों जो वास्तविक गरीब, असहाय व जरुरतमंद लोग है उनके लिए कंबल वितरण अभियान शुरु किया है। संस्थान के संरक्षक मेहराम गहलोत ने बताया की प्रथम चरण जिसमें लगभग पांच सौ ज्यादा कंबल वितरण करने का लक्ष्य रखा है। ज्यादा कंबल ठंड में उन लोगों को दिए जायेंगें जो इसके मुस्ताहिक है। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष अरविंद टाक ने बताया कि ऐसे प्रोग्राम के ज़रिये संस्थान की तरफ से लगातार बेसहारा और मजबूर लोगों को ढूंढकर कंबल, गर्म कपड़े इत्यादि वितरित किए जा रहे हैं। हमारा मक़सद है कि इस कड़ाके की ठंड में जरूरतमंद लोगों की पहुंचकर उनकी ज़रूरतों को पूरी की जाए। संस्था के युवा समाज सेवी विनोद टाक ने बताया की यह संस्थान पिछले कई वर्षों से ज़रूरतमंद लोगों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। जिसमें पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ, महिला सशक्तिकरण, गौ सेवा, पर ख़ास तौर पर कार्य जारी है। और संस्थान के पदाधिकारी देवाराम जाँगिड ने बताया कि झुग्गी झोपडी इलाकों में बच्चों के लिए निःशुल्क बाल कटिंग शिविर, खेल सामग्री उपलब्ध करवाना, हर वर्ग की बच्चियों के लिए हफ्ते में एक दिन आत्मरक्षा की ट्रेनिंग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा संस्था की तरफ से महिलाओं और युवाओं में विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में संस्थान के रविन्द्र देवड़ा आर जे 54, रामकिशोर टाक , आदित्य कच्छावाह, वैंकटेश जांगिड़, महेंद्र पटेल, जितेंद्र सांखला, धनराज सेन, सुनील कच्छावाह, हिमांशु सोलंकी, प्रथम सोनी, सूरज सोनी मनीष गर्ग, विश्वास सोनी, उमेश, करण गहलोत, बबलू परिहार, महेंद्र सांखला बाबा रामदेव होटल सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

ए टू जेड संस्थान से प्रेरित होकर जन्मदिन पर केक काटने की बजाय दिया जीव दया का संदेश

नई पीढ़ी में प्रकृति संरक्षण का बीजारोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर / जोधपुर। पीपाड़ शहर की समाज सेवा में अग्रणी संस्थान ए टू जेड पीपाड़ और आस पास लोगो को जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, पर फिजूल खर्ची को रोकने का प्रयास कर रही है । जिसमें जन्मदिन पर अस्पताल में जाकर रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, जीव दया के लिए बेजुबान पशुओं तक खाना पहुंचाने को भोजन करवाने जैसा सेवा का काम कर रहे हैं। इसमें जाजीवाल धोरा, कदम कण्डी, भीम भड़ाक, दहीजर जैसी जगह शामिल है । जिसमें जोकि अलग-अलग गोशलाओं से लेकर बंदरों तक खाना पहुंचाने का काम इन दिनों कर रहे हैं। हर बार अलग-अलग स्थानों में जाकर वह इन बेजुबानों का पेट भर रहे हैं। इस दौरान युवा समाज सेवी विनोद टाक ने अपना जन्मदिन 365 दिवस एनिमल लवर और ए टू जेड टीम के साथ सेवा दिवस के रूप में मनाया । जिसमें जोधपुर स्थित दही जर माता जी मन्दिर के पास सभी वानरो को भोजन के तौर पर केले, मूंगफली, मटर, गुलाब के फूल,गौ सेवार्थ के लिए हरे चारे का भोजन करवाया और युवा पीढ़ी को फिजूल खर्ची नही कर एक नया संदेश दिया। समाजसेवी विनोद टाक ने बताया कि हमारी रोजाना कोशिश रहती है कि अलग-अलग स्थानों पर जरूरतमंदों तक खाना पहुंचाया जा सके। वहीं, अन्य लोगों को भी मोटिवेट करते हैं ताकि वे इस मौके पर भूखे गरीब लोगों की मदद करें वहीं बेजुबानों का भी ख्याल रखें।

इस दौरान कार्यक्रम में 365 दिन एनिमल लवर की सदस्या नमिता प्रजापत, कुसुम, ए टू जेड संस्थान के अध्यक्ष अरविंद टाक, मेहराम गहलोत, जितेंद्र सांखला, धनराज सेन मौजूद रहे।

राज्य सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना से...

राजस्थान बनेगा 'सुजलाम सुफलाम'